राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 17 अक्टूबर 2022 वर्ष–5,अंक–261 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टेम्पो सवार 4 बच्चों समेत 9 की मौत; बस और मिल्क टैंकर से हुई थी टक्कर

बेंगलुरु। कर्नाटक के हसन जिले में शनिवार रात करीब 11 बजे एक टेम्पो की पब्लिक ट्रांसपोर्ट और मिल्क टैंकर से टक्कर हो गई। इस हादसे में 4 बच्चों समेत 9 लोगों की मौत हुई है, जबकि 10 लोग घायल हैं। हादसा हसन जिले के अरासिकेरे तालुक में गांधी नगर के पास हुआ। टेम्पो में कुल 14 लोग सवार थे, इसमें 9 की मौत हुई है।

बताया जा रहा है कि शिवमोग्गा की ओर जा रही बस ने टेम्पो को टक्कर मार दी। इससे टेम्पो ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया और विपरीत दिशा से आ रहे मिल्क टैंकर से जा भिड़ा। इसके चलते टेम्पो दोनों गाड़ियों के बीच फंस गया। हादसे में घायल दो लोगों की हालत गंभीर है। उन्हें अस्पताल में एडमिट कराया गया है।

2 साल के बच्चे की मौत

मरने वालों में 7 लोग सालापुरा गांव के और 2 डोड्डीहल्ली गांव के थे। इनकी पहचान डोड्डाहल्ली निवासी डुवा (2 साल) और तन्मय (10 साल) और लीलावती (50 साल), चैत्र (33 साल), समर्थ (10 साल), डिंपी (12 साल), वंदना (20 साल) के तौर पर हुई है।

पुलिस ने बताया कि सालापुरा गांव के दोदिया (60 साल) और भारती (50 साल) हैं। पुलिस के मुताबिक, सभी लोग धर्मस्थल, सुब्रह्मण्य और हसनंबे मंदिरों के दर्शन कर घर लौट रहे थे।

खड़गे बनाम थरूर...'ऑफिशियल' कैंडिडेट की जीत के बाद भी हार जाएगी कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए कल 17 अक्टूबर को चुनाव है। मुकाबला शशि थरूर और मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच है। कांग्रेस आलाकमान और परिवार की ओर से भले ही किसी के समर्थन की बात नहीं कही गई हो लेकिन मल्लिकार्जुन खड़गे अघोषित तौर पर घोषित उम्मीदवार हैं। वहीं शशि थरूर जिनको लेकर कहा जा रहा है कि वह ऑफिशियल कैंडिडेट नहीं हैं। ऑफिशियल कैंडिडेट जिसे परिवार का समर्थन हासिल है। ऑफिशियल कैंडिडेट बनने की जो योग्यता है उसमें पहला कि वह परिवार का लंबे समय से विश्वासपात्र हो। दूसरा सार्वजनिक तौर पर वह अपने विचार व्यक्त न करता हो और तीसरा उच्च पद पाने के बाद भी लक्ष्मण रेखा पार न करे। 2014 के बाद से अब हालात में काफी फर्क आ गया है। समस्या यह है कि परिवार अब उतना लोकप्रिय नहीं है। पिछले दो लोकसभा चुनाव पार्टी बुरी तरह से हार गई।

ऑफिशियल कैंडिडेट की जीत से क्या आएगा बदलाव

लगातार हार के बाद कई सारे बदलाव की बात कही गई। ऐसे में ऑफिशियल नियुक्ति के बाद कितने बदलाव संभव हैं इसको लेकर सवाल है। कांग्रेस के भीतर एक बार फिर वही दुविधा दिख रही है। परिवार की ओर से एक बार फिर ऑफिशियल कैंडिडेट को स्थापित करने की कोशिश है। रिमोट कंट्रोल अब भी अपने पास ही रखने की तैयारी है। ऐसे में ऑफिशियल कैंडिडेट बहुत बड़ा फैसला नहीं करने वाले। शशि थरूर जो ऑफिशियल कैंडिडेट नहीं माने जा रहे लेकिन मजबूती के साथ चुनाव मैदान में जुटे हुए हैं। शिक्षा, अनुभव और जीत के मामले में थरूर का रिकॉर्ड बेहतर है। साथ ही वो लंबे समय से पार्टी के भीतर बदलाव की वकालत कर रहे हैं। उनके अंग्रेजी की चर्चा हर बार होती ही है लेकिन हिंदी भी बढ़िया है।

सामने आकर कोई बोलने को तैयार नहीं

कांग्रेस के हाल फिलहाल के नेताओं में शशि थरूर मीडिया फ्रेंडली हैं। उन पर एलीट क्लास का तमगा जबरदस्ती का थोपा हुआ लगता है। लगातार तीन बार से लोकसभा चुनाव जीत रहे हैं। हालांकि इससे बहुत दूर तक जाना मुश्किल है। अधिकांश कांग्रेसी नेता निजी तौर पर बदलाव की बात करते हैं लेकिन सार्वजनिक तौर पर कुछ नहीं बोलते। इनमें से अधिकांश ऑफिशियल कैंडिडेट की प्रशंसा करते नहीं थकते। ऐसे में जब कल चुनाव है तब तीन संभावनाएं बनती हैं।

शशि थरूर की जीत (जीत की संभावना 5 प्रतिशत) शशि थरूर के जीत की संभावना कम है लेकिन पीसीसी वोटर्स ने दिल पर हाथ रखकर वोट किया तो थरूर जीत भी सकते हैं। ऐसा हुआ तो कांग्रेस में बहुत बड़ा बदलाव होगा। कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव न होकर परिवार और गैर परिवार का चुनाव बनकर रह गया है। यदि 4500 + PCC मेंबर्स ने थरूर के लिए वोट कर दिया और ऑफिशियल कैंडिडेट की हार हो जाए तो कांग्रेस की राजनीति हमेशा-हमेशा के लिए बदल जाएगी।

खड़गे की जीत (75 प्रतिशत जीत की संभावना) - ऑफिशियल कैंडिडेट इसका लाभ मिलना तय है। खड़गे की जीत के बाद कांग्रेस वैसे ही चलती रहेगी। हालांकि इन सबके बीच भी थरूर हीरो की तरह नजर आएंगे। वह बदलाव की बात करते आए हैं और हार के बाद भी यह बात रखेंगे। खड़गे की जीत के बाद बदलाव की बात को पार्टी के भीतर कोई गंभीरता से नहीं लेगा। कांग्रेस जिस राह पर है उसी राह पर रहेगी उसका ग्राफ नीचे जाएगा। आम आदमी पार्टी जैसे दूसरे दल आगे की ओर बढ़ेंगे।

खड़गे की जीत और थरूर से सीधी लड़ाई (संभावना 20 प्रतिशत)- यह ऐसी संभावना है जिसकी चर्चा उतनी अधिक नहीं हुई है। यदि थरूर हार जाते हैं और एक चौथाई वोट पाने में कामयाब होते हैं तो यह परिवार की पकड़ पर एक प्रकार से चोट होगी। बदलाव चाहने वाले नेताओं को यह लगेगा कि यह संभव हो सकता था बस थोड़ा और जोर लगाना था। नए अध्यक्ष के लिए राह उतनी आसान नहीं होगी और सामने खतरा हमेशा दिखता रहेगा। जल्द ही पार्टी पर पकड़ की लड़ाई जोर पकड़ सकती है।

नहीं रहे देश-विदेश में प्रसिद्ध कानपुर के जादूगर ओपी शर्मा

कानपुर। हैरत भरी जादुई कला से देश-विदेश में नाम कमाने वाले जादूगर ओपी शर्मा का शनिवार देर रात निधन हो गया। ओपी शर्मा के निधन की खबर सुनकर उनके चाहने वालों और प्रशंसकों में मायूसी है। कई राजनीतिक हस्तियों ने ओपी शर्मा के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

भूत बंगला था उनका ठिकाना

जादू के बेताज बादशाह कहलाने वाले ओपी शर्मा ने कानपुर के बर्रा-दो में अपना आवास बनवाया था। उन्हें जादू से इतना लगाव था कि अपने आवास का नाम 'भूत बंगला' रखा। कानपुर शहर में कोई अनजान व्यक्ति उनके आवास पर पहुंच जाय तो वह बंगले का दृश्य देखते ही जान जाता था कि यहां कोई जादूगर रहता है।

राजनीति में भी आजमाई थी किस्मत

अपनी कला में माहिर ओपी शर्मा ने राजनीतिक क्षेत्र में भी किस्मत आजमाई थी। लेकिन वह उसमें सफलता हासिल नहीं कर सके। उनके रिश्ते समाजवादी पार्टी से काफी अच्छे थे और उन्हें सपा ने कानपुर के गोविन्दनगर विधानसभा सीट से वर्ष 2002 में चुनाव मैदान में उतारा था।

जादू के बेताज बादशाह कहलाने वाले ओपी शर्मा ने कानपुर के बर्रा-दो में अपना आवास बनवाया था।

ओपी शर्मा के निधन पर राजनेताओं ने जताया शोक-जादूगर ओपी शर्मा के निधन की जानकारी मिलते ही भाजपा सांसद सत्यदेव पचौरी और सांसद देवेंद्र सिंह भोले, कानपुर महापौर प्रमिला पाण्डेय, सपा विधायक अमिताभ बाजपेयी समेत अन्य राजनेताओं ने शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने जादू की दुनिया में नाम कमाया और भूतबंगला को अपना ठिकाना बनाया। वह अपने पीछे तीन पुत्र, एक पुत्री और पत्नी का भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कार्यकारी मंडल की बैठक का किया शुभारंभ

प्रयागराज। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत व सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने रविवार को संगम नगरी प्रयाग के वात्सल्य परिसर में भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक का शुभारंभ किया। यह बैठक प्रयागराज के गौहनिया स्थित जयपुरिया स्कूल के वात्सल्य परिसर में हो रही है।

बैठक में देशभर के सभी प्रांतों व क्षेत्रों के संघचालक, कार्यवाह व प्रचारक सह समेत अखिल भारतीय कार्यकारिणी, संघ की गतिविधियों के प्रमुख तथा कुछ विविध संगठनों के अखिल भारतीय संगठन मंत्रियों सहित लगभग 400 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। बैठक में संघ के वर्तमान कार्य की स्थिति, कार्य की समीक्षा और शाखा विस्तार पर चर्चा होगी। कार्यकारी मंडल की बैठक 19 अक्टूबर को संपन्न होगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर के अनुसार अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में संघ की वार्षिक योजना प्रस्तुत की जाती है। यह बैठक 6 महीने बाद होने

वाली समीक्षा बैठक है। बैठक में संगठन की गतिविधियों का कार्य विस्तार, कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण और अनुभवों पर चर्चा होगी। इसके अलावा सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत ने विजयादशमी के अवसर पर जिन महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी राय रखी है, उस पर भी कार्यकारी मंडल की बैठक में चर्चा होगी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह भैयाजी जोशी, पूर्व सह सरकार्यवाह सुरेश सोनी, संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. मनमोहन वैद्य, डॉ. कृष्ण गोपाल, वी मुकुंद, अरुण कुमार, रामदत्त चक्रधर के अलावा अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर, अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख आलोक कुमार व नरेंद्र ठाकुर, पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक अनिल, पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र कार्यवाह वीरेंद्र जायसवाल, पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के सह क्षेत्र संघचालक रामकुमार वर्मा, काशी प्रांत के प्रांत प्रचारक रमेश, सह प्रांत प्रचारक मुनीश, पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्र सह प्रचार प्रमुख मनोज कांत, अवध प्रांत के प्रांत प्रचारक कौशल सह प्रांत प्रचारक मनोज मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

अब सेवानिवृत्त अर्धसैनिको को मरणोपरांत मिलेगा आखिरी सलामी का सम्मान–रणवीर सिंह

नई दिल्ली। रिटायर्ड अर्द्धसैनिको के लिए मरणोपरांत सलामी सम्मान के प्रावधान वास्ते कॉनफैडरेसन महासचिव रणबीर सिंह द्वारा 4 अप्रैल 2021 को लिखी गई चिट्ठी का यशस्वी प्रधानमंत्री जी द्वारा वेलफेयर एंड रिहिबिलेटसन बोर्ड (वार्ब) गृह मंत्रालय को तुरंत संज्ञान लेने व आवश्यक आदेश जारी करने हेतु कहा गया जिसके एवज में माननीय वार्ब चेयरमैन द्वारा सभी फोर्सेस डायरेक्टर जनरल को आखिरी सलामी सम्मान निर्देश जारी किए जाने हेतु कहा गया। इससे पहले आईटीबीपी, सीआरपीएफ, एसएसबी द्वारा इस संबंध में एसओपी जारी कर दी गई। गौरतलब है कि शुरुआती तौर पर सबसे पहले बीएसएफ के निवर्तमान डीजी श्री राकेश अस्थाना द्वारा 15 मार्च 2021 को अपने रिटायर्ड सैनिकों को मरणोपरांत आखिरी सलामी सम्मान देने हेतु एसओपी जारी की गई तदोपरान्त 2 नवंबर 2021 को डीजी सीआरपीएफ और अब 4 अक्टूबर 2022 को डीजी सीआईएसएफ द्वारा अपने रिटायर्ड कर्मियों के लिए आखिरी सलामी गार्ड देने हेतु आर्डर जारी कर दिए गए।

किसी रिटायर्ड सुरक्षा कर्मी का यमराज द्वारा बुलावा आए लेकिन मेरे यार का जनाजा शान से निकले जिसने ताउम्र देश सुरक्षा में बिता दिए।

जयेंद्र सिंह राणा अध्यक्ष के हवाले से बताया गया कि उपर वाला ना करे कि किसी रिटायर्ड सुरक्षा कर्मी का यमराज द्वारा बुलावा आए लेकिन मेरे यार का जनाजा शान से निकले जिसने ताउम्र देश सुरक्षा में बिता दिए। यह हमारे परिवार के सदस्यों, बेटे बेटियों, रिस्तेदारो व वेलफेयर एसोसिएशन प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी बनती है कि किसी भी पुर्व अर्धसैनिक की मृत्यू होने पर अपने विभाग की नजदीकी युनिट्स/ बटालियन हैडक्वार्टर के कंट्रोल रूम या कमांडेंट को समय रहते सुचित किया जाए ताकि सलामी गार्ड समय पर पहुंच कर अपने जांबाज को आखिरी गार्द सम्मान दें सके।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपाध्यक्ष मनोज सिंह मंडावी का दिल का दौरा पड़ने से निधन

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपाध्यक्ष और सत्तारूढ़ कांग्रेस के विधायक मनोज सिंह मंडावी का दिल का दौरा पड़ने के कारण रविवार को निधन हो गया। पार्टी के नेताओं ने यह जानकारी दी। कांग्रेस की संचार इकाई के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने बताया कि मंडावी (58) को दिल का दौरा पड़ने के बाद पड़ोसी धमतरी शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सुबह उनका निधन हो गया।

पैतृक गांव में मंडावी

कांकेर जिले में भानुप्रतापपुर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले

मंडावी शनिवार रात को जिले के चरामा इलाके में अपने पैतृक गांव नथिया नवागांव में थे। शुक्ला ने बताया कि उन्होंने बेचैनी होने की शिकायत की थी जिसके बाद उन्हें चरामा में एक अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उनकी जांच की। उन्होंने बताया कि इसके बाद मंडावी को धमतरी शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका निधन हो गया।

रह चुके हैं तीन बार के विधायक

तीन बार विधायक रहे और बस्तर क्षेत्र में पार्टी का अहम आदिवासी चेहरा रहे मंडावी 2000 से 2003 के बीच राज्य में अजीत जोगी की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार के दौरान गृह एवं कारागार मंत्री थे।

सीएम बघेल ने जताया दुख

मनोज सिंह मंडावी की अचानक मृत्यु पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दुख जताया है। बघेल ने ट्वीट कर कहा,÷छत्तीसगढ़ विधानसभा उपाध्यक्ष, वरिष्ठ आदिवासी नेता, भानुप्रतापपुर के विधायक मनोज सिंह मंडावी का आकस्मिक निधन हम सभी के लिए बहुत दुखद है। मैं भगवान से उनके परिवार को इस दर्द को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं। उनकी आत्मा को शांति मिले। ओम शनि।

कैप्टन सरकार में मंत्री रहे सुंदर अरोड़ा अरेस्ट, 50 लाख की रिश्वत देते रंगे हाथ पकड़े गए

नई दिल्ली। विजिलेंस टीम ने कैप्टन अमरिंदर सिंह की सरकार में मंत्री रहे और कांग्रेस नेता सुंदर शाम अरोड़ा को गिरफ्तार किया है। टीम के अधिकारियों का कहना है कि आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच झेल रहे अरोड़ा को विजिलेंस अधिकारी मनमोहन कुमार को 50 लाख रुपये की रिश्वत देते रंगे हाथ पकड़ा गया है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। सुंदर शाम पंजाब के होशियारपुर से कांग्रेस के विधायक रहे हैं।

विजिलेंस टीम ने विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि पंजाब में विजिलेंस टीम के एआईजी मनमोहन कुमार ने 14 अक्टूबर को शिकायत दर्ज की कि पूर्व मंत्री सुंदर शाम अरोड़ा ने विजिलेंस इंक्वायरी से बचने के लिए एक करोड़ रुपये की रिश्वत ऑफर की है। इसके बाद विजिलेंस टीम ने आरोपी को पकड़ने की योजना बनाई।

पहली किश्त में देने वाले थे 50 लाख

विजिलेंस पुलिस का कहना है कि सुंदर शाम पहली किश्त के रूप में मनमोहन कुमार को 50 लाख रुपये देने वाले थे। बाकी की रकम बाद में देना तय हुआ। यह सब

विजिलेंस टीम की योजना के हिसाब से चल रहा था। मनमोहन कुमार विजिलेंस टीम के साथ इस प्लानिंग में शामिल थे।

रंगे हाथ पकड़े गए पूर्व मंत्री

जानकारी के अनुसार, 15 अक्टूबर की शाम जैसे ही सुंदर शाम ने मनमोहन कुमार को पैसे दिए। पहले से ताक पर बैठी टीम ने मौके से आरोपी को पकड़ लिया। सुंदर शाम के खिलाफ मुकदमा दर्ज आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कौन है सुंदर शाम

सुंदर शाम पंजाब के होशियारपुर से कांग्रेस के विधायक रहे हैं। कैप्टर अमरिंदर सिंह सरकार में मंत्री पद संभाल चुके हैं। उन पर विजिलेंस की तरफ से आय से अधिक संपत्ति का मामला चल रहा है।

विजिलेंस टीम ने कैप्टन अमरिंदर सिंह की सरकार में मंत्री रहे और कांग्रेस नेता सुंदर शाम अरोड़ा को गिरफ्तार किया है। टीम ने उन्हें विजिलेंस अधिकारी को 50 लाख की रिश्वत देते रंगे हाथ पकड़ा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

ऐसे में मुद्दे के निस्तारण में केंद्र सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। दरअसल, कुछ माह पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सख्त रवैया दिखाया था। कोर्ट ने कहा था कि निर्धारित समय में पंजाब व हरियाणा समस्या का समाधान निकालें, अन्यथा हम आदेश जारी करेंगे। साथ ही प्राकृतिक संसाधनों के बंटवारे का तंत्र विकसित करने की जरूरत बतायी थी।

पानी पर राजनीति

प्राकृतिक न्याय से हो जल संसाधनों का बंटवारा/ जैसे कि उम्मीद थी सतलुज यमुना लिंक नहर से जुड़े विवाद पर शुक्रवार को हरियाणा व पंजाब के मुख्यमंत्रियों के बीच हुई बातचीत किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी। भले ही यह वार्ता सुप्रीम कोर्ट की पहल पर हुई हो लेकिन वार्ता की टाइमिंग को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। ऐसे वक्त में जब हरियाणा के आदमपुर में उपचुनाव है और हिमाचल में विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी है, इस मुद्दे को राजनीतिक अस्त्र बनाया जाना स्वाभाविक है। ऐसे में मुद्दे के निस्तारण में केंद्र सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। दरअसल, कुछ माह पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सख्त रवैया दिखाया था। कोर्ट ने कहा था कि निर्धारित समय में पंजाब व हरियाणा समस्या का समाधान निकालें, अन्यथा हम आदेश जारी करेंगे। साथ ही प्राकृतिक संसाधनों के बंटवारे का तंत्र विकसित करने की जरूरत बतायी थी। कोर्ट ने नहर का काम समय से पूरा न करने पर पंजाब सरकार पर सख्त टिप्पणी भी की थी। दरअसल, दोनों राज्यों में इस मुद्दे पर लंबा टकराव चला आ रहा है। दोनों राज्यों के राजनेता अपने वोट बैंक की सुविधा से बयानबाजी करते रहे हैं। जहां हरियाणा के मुख्यमंत्री इस पानी पर राज्य का हक जता रहे हैं, वहीं पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का कहना है कि पंजाब में पहले ही पानी की कमी है। उनकी दलील है कि राज्य नहरों का केवल 27 फीसदी पानी प्रयोग कर रहा है, जबकि 73 फीसदी भूजल का उपयोग किया जा रहा है, जिससे कई जिलों में पानी का स्तर बहुत नीचे चला गया है। उनका तर्क है कि हरियाणा के पास पंजाब से ज्यादा पानी है। विडंबना देखिये कि समय रहते एसवाईएल परियोजना सिरे न चढ़ने के कारण कई नदियों का बिना चैनल वाला पानी पाकिस्तान चला जाता है। वहीं दिल्ली सरकार भी हरियाणा से ज्यादा पानी की मांग करती रही है। यह विडंबना ही है कि प्रकृति के उपहार पानी को लेकर राजनीति की जा रही है। निस्संदेह, प्रकृति प्रदत्त उपहार पानी आदि को साझा करना इंसान को सीखना चाहिए। सभी पक्षों को बातचीत करके स्वीकार्य समाधान निकालना चाहिए। इस मुद्दे का सौहार्दपूर्ण समाधान ही निकाला जाना चाहिए जिसमें केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की पीठ इस मुद्दे पर जनवरी 2023 में सुनवाई करेगी। लेकिन समस्या जटिल है क्योंकि हरियाणा द्वारा अपने हिस्से की नहर के निर्माण के बावजूद पंजाब के राजनीतिक दलों की शह पर न केवल नहर को समतल कर दिया गया है बल्कि किसानों को जमीन लौटा भी दी गई है। लगभग चार दशक से चले आ रहे इस जल विवाद के तात्कालिक समाधान की सूरत तो नजर नहीं आती लेकिन इस मुद्दे को लेकर राजनीति बदस्तूर जारी है। विडंबना यही है कि एक ही राजनीतिक दल के नेता हरियाणा में अलग भाषा बोलते हैं और पंजाब में अलग। कोई भी अपने राज्य के लोगों को इस मुद्दे पर ईमानदार पहल करके नाराज नहीं करना चाहता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004 में कैप्टन अमरेंद्र सरकार ने विधानसभा में पंजाब टर्मिनेशन ऑफ एग्रीमेंट्स एक्ट पारित किया था। इसके बाद वर्ष 2016 में पंजाब विधानसभा में विधेयक पारित करके अधिगृहीत जमीन किसानों को वापस कर दी गई जिसके बाद स्थानीय किसानों ने नहर को पाट दिया। इसके बाद जब सुप्रीम कोर्ट का फैसला हरियाणा के हक में आया तो वर्ष 2017 में पंजाब सरकार ने पानी के बंटवारे के खिलाफ विधेयक पारित किया। ऐसे हालात में इस मुद्दे को तार्किक परिणति मिलना टेढ़ी खीर है। बहरहाल, इस मुद्दे पर राजनीतिक दलों द्वारा अपनी सुविधा की राजनीति की जाती रहेगी। एक ही दल के नेताओं की भाषा दोनों राज्यों में अलग-अलग रहेगी। आदमपुर में हो रहे उपचुनाव में इसकी बानगी नजर भी आयेगी। लेकिन यह घटनाक्रम भारत जैसी संघीय व्यवस्था वाले राज्य के लिये सुखद संकेत कदापि नहीं है। वहीं एक बात तय है कि किसानों के हितों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए और प्राकृतिक संसाधनों के नैसर्गिक बंटवारे को ध्यान में रखना चाहिए।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

एक बड़े होटल में दो-चार दिन गुजारने के बाद टिप की प्रवृति से तंग आ चुके एक साहब के कमरे का दरवाजा किसी ने खटखटाया। उन्होंने पूछा, 'कौन?'

वेटर, 'साहब, हम हैं।'

साहब, 'क्या हैं?'

वेटर, 'आपका टैलीग्राम।'

टिप से बचने के लिए वह बोले, 'दरवाजे के नीचे से अंदर डाल दो।'

वेटर, 'माफ कीजिए साहब, मैं ऐसा नहीं कर सकता।'

साहब, 'क्यों?'

वेटर, 'क्योंकि टैलिग्राम में रखा है साहब।'

□ □ □□ □□ □

नेता जी अपनी चुनावी सभा में बार-बार, 'प्यारे भाइयों और बहनो' कर रहे थे। इतने में एक देहाती स्त्री का बच्चा रो पड़ा। वह उसे थप्पड़ मारकर बोली, 'चुप हो जा नहीं तो मामा जी मारेंगे।'

□□ □□ □

पिता जी अपने संघर्ष की दास्तान सुना रहे थे ताकि बेटे कुछ सबक लें। उन्होंने बताया कि वह किस तरह भूखे रह कर और तकलीफें सह कर बड़े हुए।

सब कुछ सुनने के बाद छोटे बेटे ने कहा, 'पिता जी बीती बातें भुला दीजिए, अब तो आप हमारे साथ कितने सुख से रह हरे हैं।'

परमाणु आशंकाओं के बीच रूस-यूक्रेन

लेखक- जी. पार्थसारथी

रूस के साथ यूक्रेन के संबंध ज्यादातर मधुर रहे हैं, यहां तक कि 1996 में सोवियत संघ के विघटन के बाद भी। रूस के पड़ोसी छोटे मुल्कों के लिए यह नैसर्गिक था कि अपनी क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा का दायरा बड़ा करें, वही अब हो रहा है। रूसी मूल के कई लाख लोग पूर्व सोवियत संघ के घटक रहे इन देशों में बतौर स्थानीय नागरिक बसे हुए हैं। रूस की तटीय रेखा अत्यंत विशाल है, लेकिन अधिकांश तटरेखा साल के अधिकतर समय जमे रहने वाले आर्कटिक महासागरीय है, इसलिए ऐतिहासिक रूप से रूस वर्तमान यूक्रेन के बंदरगाहों का उपयोग करता आया है। रूस का समुद्री व्यापार और सैन्य अभियान इन तटों से होकर होता रहा है। तभी तो वह यूक्रेन के क्रीमिया से होकर अपने समुद्री पहुंच मार्ग अबाध रखने को लेकर चिंतित रहता है। किंतु वोलोदिमिर जेलेंस्की के नेतृत्व वाला यूक्रेन अपने विकल्पों के दायरे में विस्तार चाहता है, जिसके तहत अमेरिका के साथ सामरिक साझेदारी बनाई है। रूस ने 2014 में दक्षिण यूक्रेन के क्रीमिया बंदरगाह को अपने नियंत्रण में लिया था। यूक्रेन की कुल 4 करोड़ 30 लाख आबादी में 83 लाख रूसी मूल के लोग 17 फीसदी बनते हैं और ये अधिकांशतः काला सागर के तटीय अंचल में बसे हैं। टकराव उस वक्त बना जब यूक्रेन के युवा और करिश्माई राष्ट्रपति जेलेंस्की ने वर्ष 2021 में आनन-फानन में अमेरिकी सरकार के साथ सैन्य गठबंधन किया। इसके नेपथ्य में एक वजह दक्षिण यूक्रेन के रूसियों और स्थानीय लोगों के बीच जातीय तनावों में वृद्धि थी। लेकिन यूक्रेन में स्थायित्व रखने की बजाय बाइडेन प्रशासन ने युवा यूक्रेनियन राष्ट्रपति के अहम का दोहन कर खेल करना चुना। 1 सितंबर, 2021 के दिन बाइडेन-जेलेंस्की संयुक्त घोषणापत्र रूस को ललकार सरीखा था 'हम क्रीमिया सहित अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त थलीय एवं जलीय सीमा के अंदर रूस से आसन्न खतरे के परिप्रेक्ष्य में यूक्रेन की सार्वभौमिकता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता कायम रखने के प्रति अगाध प्रतिबद्धता व्यक्त करते हैं।' जाहिर है, यूक्रेन को मजबूत अमेरिकी मदद का आसरा मिलने को रूस क्रीमिया के तटों तक पहुंच मार्गों को खतरा मानता। घोषणा के तुरंत बाद यूक्रेन को परिष्कृत पश्चिमी सैन्य हथियार और उपकरण मिलने लगे। 21 फरवरी, 2022 को राष्ट्रपति पुतिन ने अपनी सेना दक्षिण यूक्रेन में घुसा दी और उद्देश्य बताया यूक्रेन से आजादी पाने की मांग करने वाले रूसी बहुल लुहांस्क और दोनेस्तक की मदद करना। रूस के समुद्र तक रास्ते 6 यूक्रेनी जिलों से गुजरते हैं। 1783 से ही क्रीमिया प्रायद्वीप में रूस का काला सागरीय समुद्री बेड़ा स्थित है। ऐतिहासिक रूप से यह क्षेत्र काला सागर, अज़ोव सागर और भूमध्यसागर के तटों से रूस तक पहुंचने के द्वार रहे हैं। रूस की अदूरदर्शी और सतही क्रियान्वयन वाली क्रीमियाई सैन्य कार्रवाई के परिणामवश बाइडेन-जेलेंस्की घोषणापत्र आया, आगे यूक्रेन को मिली विशाल अमेरिकी और नाटो सैन्य सहायता को रूस ने अपने एकमात्र ऐतिहासिक पहुंच मार्गों को खतरे के तौर पर लिया। फिलहाल रूसी सेना अधिकांशतः यूक्रेन के 6 दक्षिणी-पूरबी जिलों यानी मारियोपोल, लुहान्सक, दोनेस्तक, मेलितोपोल, खेरसोन और क्रीमिया जिलों

तक सिमटकर रह गई है। हालांकि रूसी मूल की जनसंख्या वाले इन इलाकों पर रूस की पकड़ मजबूत है पर कहीं ज्यादा बेहतर सैन्य साज-सामान से लैस यूक्रेनी सेना द्वारा रौंदे जाने का काफी खतरा बढ़ गया है। रूस के लिए इस क्षेत्र की महत्ता सामरिक और भौगोलिक कारणों के चलते पूरी संभावना है कि एकदम घिरने पर कम तीव्रता वाले परमाणु अस्त्र चलाने में गुरेज नहीं करेगा। एक साल से कुछ पहले, जुलाई, 2021 में राष्ट्रपति जो बाइडेन और व्लादिमीर पुतिन ने संयुक्त घोषणापत्र में दावा किया था 'एक परमाणु युद्ध जीता नहीं जा सकता, यह कभी भी नहीं होना चाहिए।' किंतु, जब राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि यूक्रेन में परमाणु हथियार उपयोग का विकल्प खुला है तो यह इस वक्तव्य के स्थायित्व की परीक्षा है। प्रतिक्रिया में, राष्ट्रपति बाइडेन ने भी गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है, यदि रूस ऐसा करता है। 22 फरवरी को राष्ट्रपति पुतिन ने रूस के परमाणु बलों को 'आपात युद्धक तैयारी' में बने रहने का आदेश दिया था और परमाणु हमले को लेकर उच्च-स्तरीय अभ्यास किए गए। उन्होंने चंद दिन पहले कहा, 'यदि हमारे देश की क्षेत्रीय संप्रभुता को खतरा हुआ तो बिना झिझक हम रूस और अपने नागरिकों की रक्षार्थ हर उपलब्ध साधन का उपयोग करेंगे और यह कोरी घुड़की नहीं है।' उम्मीद के अनुसार बाइडेन ने भी पुतिन की धमकी का जवाब उसी लहजे में दिया। यह पहली मर्तबा है जब दुनिया पर इस तरह परमाणु युद्ध का आसन्न खतरा है। खासकर जब अति-सुसज्जित यूक्रेनी और रूसी सैनिक आरपार की लड़ाई के लिए ऐन सामने हैं। बहुत से रूसी लोग भले ही पुतिन की नीतियों से सहमत न होंगे लेकिन इन हालातों में वे भी उनका साथ देंगे। हिरोशिमा और नागासाकी को मटियामेट करने वाले परमाणु बम की विध्वंसक क्षमता 15-20 किलो टन थी, आज सीमित मात्रा में तबाही के लिए बने विशेष परमाणु आयुधों की क्षमता 0.1 -1 किलो टन तक है। दक्षिण क्रीमिया में रूस इनका इस्तेमाल यूक्रेनी सेना के जमावड़े पर कर सकता है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के अंदाज़े के मुताबिक, रूस के पास लगभग 6000 उच्च क्षमता के परमाणु हथियार हैं, किंतु सीमित क्षमता वाले कितने हैं, संख्या ठीक से मालूम नहीं है। उम्मीद करें कि राष्ट्रपति जेलेंस्की रूस को इस हद तक नहीं भड़काएंगे कि वह अतिशयी कदम उठाने को मजबूर हो जाये, वर्ना भयावह पैमाने पर इंसानी जानें भस्म होंगी। यूरोप भर में रूस अपने लिए समझ, समर्थन और सहानुभूति खो चुका है। लेकिन यह वह देश है जिसके पास वैज्ञानिक कौशल और अकूत प्राकृतिक स्रोत हैं और विश्व के अग्रणी तेल एवं गैस उत्पादकों में एक है। रूस-यूक्रेन युद्ध से विश्वभर में तेल और प्राकृतिक गैस की कमी बनने पर और अरब मुल्कों द्वारा इनकी कीमतें बढ़ाये जाने से रोकने को यूरोप के पास ज्यादा अख्तियार नहीं हैं। राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा मूल्य वृद्धि न किये जाने की अपील के बावजूद यह हो रहा है। लगता है सऊदी अरब के युवराज सलमान ने बाइडेन के फरमानों को चुनौती देने की ठान ली है। रूस की कार्रवाई का मुंह बोलता असर जल्द ही यूरोप के लोगों को महसूस होने लगेगा जब आगामी महीनों मे जमा देने वाली ठंड पड़ेगी और उत्तरी अंचल से होकर रूस तक बिछी पाइपलाइनों से गैस नहीं आयेगी। असहज यूरोप जगत अब ठिठुरन, मुश्किलों और लोगों के गुस्से के निपटने की तैयारी में जुटा हुआ है। भारत ने यूक्रेन में बनती स्थिति के संदर्भ में रचनात्मक भूमिका अपनाई है। मसलन, हाल ही में शंघाई सहयोग संगठन शिखर वार्ता के दौरान राष्ट्रपति पुतिन से प्रधानमंत्री मोदी की बातचीत को तमाम पक्षों ने सराहा है जब मोदी ने कहा 'वर्तमान युग, युद्धों का युग नहीं है'। इस वक्तव्य की अमेरिका, रूस और यूरोप की सरकारों और मीडिया ने सराहना की है। उम्मीद करें कि राष्ट्रपति पुतिन-बाइडेन-जेलेंस्की इस सलाह पर गौर करेंगे और विश्व के सिर पर मंडराते भयावह परमाणु युद्ध को टालने के लिए वार्ता की ओर बढ़ेंगे।

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

अहोई अष्टमी : संतान की सलामती का व्रत

(अहोई अष्टमी व्रत (17 अक्तूबर) पर विशेष/ लेखक-योगेश कुमार गोयल)

भारतीय समाज में प्रत्येक त्यौहार का अपना एक विशेष महत्व है। ऐसे प्रत्येक अवसर पर की जाने वाली पूजा तथा व्रत में कोई न कोई विशेष उद्देश्य निहित होता है। कार्तिक कृष्ण पक्ष में तो वैसे भी तिथि-त्यौहारों की भरमार रहती है। जिस प्रकार सम्पूर्ण भारत में पति की दीर्घायु की कामना के लिए 'करवा चौथ' व्रत मनाया जाता है, ठीक उसी प्रकार करवा चौथ के चार दिन पश्चात् संतान की सुख-समृद्धि तथा लंबी आयु की कामना के लिए 'अहोई अष्टमी' व्रत रखा जाता है। अहोई अष्टमी के दिन माता पार्वती की पूजा का विधान है। दरअसल माता पार्वती संतान की रक्षा करने वाली देवी मानी गई हैं। पौराणिक मान्यता है कि इस व्रत के प्रताप से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस व्रत के प्रताप से बच्चों की रक्षा होती है, वहीं इसे संतान प्राप्ति के लिए भी सर्वोत्तम माना गया है। अहोई अष्टमी व्रत के संबंध में मान्यता है कि इस व्रत के प्रभाव से संतान फल की प्राप्ति होती है और जो महिलाएं पूरे विधि-विधान से यह व्रत रखती हैं, उनके बच्चे दीर्घायु होते हैं। जिन महिलाओं की संतान का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता हो, बच्चे बार-बार बीमार पड़ते हों, ऐसे बच्चों के स्वास्थ्य लाभ तथा दीर्घायु प्राप्ति के लिए अहोई अष्टमी व्रत किया जाता है। हालांकि इस व्रत के संबंध में यह नियम भी माना जाता है कि एक साल यह व्रत करने के बाद यह व्रत आजीवन नहीं टूटना चाहिए अर्थात् प्रतिवर्ष किया जाना चाहिए। अहोई का अर्थ है, 'जो अनहोनी से बचाए' और इसे 'अहोई अष्टमी' इसीलिए कहा जाता है क्योंकि किसी भी अमंगल या अनिष्ट से अपने बच्चों की रक्षा के लिए महिलाओं द्वारा किया जाने वाला यह व्रत कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष अष्टमी को मनाया जाता है। चूंकि यह व्रत अष्टमी के दिन पड़ता है, इसीलिए इसे 'अहोई आठें' भी कहा जाता है। विशेषकर उत्तर भारत में इस व्रत का विशेष महत्व है। करवा चौथ की ही भांति महिलाएं इस दिन भी कठोर व्रत रखती हैं और दिनभर पानी की एक बूंद भी ग्रहण नहीं करती। अंतर केवल इतना है कि करवा चौथ व्रत में जहां महिलाएं चन्द्रमा को अर्ध्य देकर व्रत खोलती हैं, वहीं अहोई अष्टमी व्रत तारे निकलने के बाद सायंकाल में तारों को अर्ध्य देकर खोला जाता है। चूंकि इस दौरान चंद्रोदय बहुत देर से होता है, इसीलिए तारों को ही अर्ध्य देकर व्रत खोलने की परम्परा चली आ रही है। हालांकि कुछ महिलाएं चंद्रोदय तक इंतजार करती हैं और चंद्रमा को अर्ध्य देकर ही व्रत खोलती हैं। इस दिन महिलाएं चांदी की अहोई बनाकर उसकी पूजा करती हैं, जिसमें चांदी के मनके डाले जाते हैं और प्रतिवर्ष इस व्रत में इन मनकों की एक-एक संख्या बढ़ाती जाती हैं। पूजन के पश्चात् महिलाएं इसी माला को गले में पहनती हैं। अहोई अष्टमी के दिन महिलाएं गोबर से अथवा गेरु आदि के द्वारा दीवार पर अहोई की आकृति बनाती हैं या फिर किसी मोटे वस्त्र पर चित्रांकन के द्वारा आठ कोष्ठक की एक पुतली बनाकर दीवार पर टांग दिया जाता है। अहोई के चित्रांकन में अधिकांशतः आठ कोष्ठक की एक पुतली बनाई जाती है और उसी के पास सेह तथा उसके बच्चों की आकृतियां बना दी जाती हैं। सायंकाल के समय इसकी पूजा की जाती है। पूजा के दौरान महिलाएं प्रायः 'अहोई जिए, अहोआ जिए, मुशा जिए, पूता जिए'' शब्दों का उच्चारण करती हैं। आजकल बाजार में अहोई के रंगीन चित्र भी मिलने लगे हैं, बहुत सी महिलाएं इन्हीं को दीवार पर चिपकाकर पूजा करने लगी हैं। संध्या के समय सूर्यास्त होने के बाद जब तारे निकलने लगते हैं तो अहोई माता की पूजा आरंभ होती है। पूजन से पहले जमीन को साफ करके, पूजा का चौक पूरकर एक लोटे में जल भरकर उसे कलश की भांति चौकी के एक कोने पर रख दिया जाता है और व्रत रखने वाली महिलाएं श्रद्धा भाव से अहोई अष्टमी के व्रत की कथा सुनते हुए अपने बाल-बच्चों के कल्याण की

कामना के साथ भक्ति भाव से पूजा करती हैं। कहा जाता है कि इसी दिन से दीपावली के उत्सव का आरंभ हो जाता है।

अहोई अष्टमी का व्रत मनाए जाने के संबंध में कुछ दंतकथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक कथानुसार प्राचीन काल में दतिया नगर में चंद्रभान नामक एक व्यक्ति रहता था, जिसकी बहुत सी संतानें थीं लेकिन दुर्भाग्यवश उसकी सभी संतानें अल्पायु में ही अकाल मृत्यु को प्राप्त होने लगी। अपने बच्चों की इस प्रकार अकाल मृत्यु से पति-पत्नी बहुत दुखी रहने लगे। उसके बाद काफी लंबे समय तक उनके कोई संतान न होने से उदास होकर पति-पत्नी अपनी सारी धन दौलत का त्याग कर वन की ओर प्रस्थान कर गए।

बद्रिकाश्रम के निकट स्थित जलकुंड के पास पहुंचकर वे उसी स्थान पर अपने प्राण त्यागने का निश्चय करके अन्न-जल का त्याग कर वहीं उपवास पर बैठ गए। एक-एक कर इसी प्रकार छह दिन बीत गए और तब एकाएक आकाशवाणी हुई, ''हे साहूकार! तुम्हें यह दुःख तुम्हारे पूर्व जन्म के पापों के कारण मिल रहा है। इन पापों के प्रभाव से मुक्ति के लिए तुम्हें अहोई अष्टमी के दिन व्रत का पालन कर अहोई माता की पूजा-अर्चना करनी होगी, जिससे प्रसन्न हो अहोई माता ही तुम्हें पुत्र प्राप्ति के साथ-साथ उसकी दीर्घायु का वरदान भी देंगी।''

आकाशवाणी सुन पति-पत्नी ने पूरे विधि-विधान से अहोई अष्टमी का व्रत किया और अहोई माता से अपने पूर्व जन्म के पापों की क्षमा याचना की, जिससे प्रसन्न होकर अहोई माता ने उन्हें संतान प्राप्ति और उसकी दीर्घायु का वरदान दिया। मान्यता है कि तभी से अहोई अष्टमी व्रत मनाए जाने की परम्परा प्रचलित हो गई।

(लेखक 32 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(चिंतन-मनन)

भक्त के भीतर रहते हैं कृष्ण

जब भगवान चैतन्य बनारस में हरे कृष्ण महामंत्र के कीर्तन का प्रवर्तन कर रहे थे, तो हजारों लोग उनका अनुसरण कर रहे थे। तत्कालीन बनारस के अत्यंत प्रभावशाली और विद्वान प्रकाशानंद सरस्वती उनको भावुक कहकर उनका उपहास करते थे। कभी-कभी भक्तों की आलोचना दार्शनिक यह सोचकर करते हैं कि भक्तगण अंधकार में हैं और दार्शनिक दृष्टि से भोले-भाले भावुक हैं, किंतु यह तथ्य नहीं है। ऐसे अनेक बड़े-बड़े विद्वान पुरुष हैं, जिन्होंने भक्ति का दर्शन प्रस्तुत किया है। किंतु यदि कोई भक्त उनके इस साहित्य का या अपने गुरु का लाभ न भी उठाए और यदि वह अपनी भक्ति में एकनिष्ठ रहे, तो उसके अंतर से कृष्ण स्वयं उसकी सहायता करते हैं।अत- कृष्णभावनामृत में रत एकनिष्ठ भक्त ज्ञानरहित नहीं हो सकता। इसके लिए इतनी ही योग्यता चाहिए कि वह पूर्ण कृष्णभावनामृत में रहकर भक्ति संपन्न करता रहे। आधुनिक दार्शनिकों का विचार है कि बिना विवेक के शुद्ध ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता। उनके लिए भगवान का उत्तर है- जो लोग शुद्धभक्ति में रत हैं, भले ही वे पर्याप्त शिक्षित न हों तथा वैदिक नियमों से पूर्णतया अवगत न हों, किंतु भगवान उनकी सहायता करते ही हैं। भगवान अजरुन को बताते हैं कि मात्र चिंतन से परम सत्य भगवान को समझ पाना असंभव है, क्योंकि भगवान इतने महान हैं कि कोरे मानसिक प्रयास से उन्हें न तो जाना जा सकता है, न ही प्राप्त किया जा सकता है। भले ही कोई लाखों वर्षो तक चिंतन करता रहे, किंतु यदि भक्ति नहीं करता, यदि वह परम सत्य का प्रेमी नहीं है, तो उसे कभी भी कृष्ण या परम सत्य समझ में नहीं आएंगे।परम सत्य, कृष्ण, केवल भक्ति से प्रसन्न होते हैं और अपनी अचिंत्य शक्ति से वे शुद्ध भक्त के हृदय में स्वयं प्रकट हो सकते हैं।शुद्धभक्त के हृदय में तो कृष्ण निरंतर रहते हैं और कृष्ण की उपस्थिति सूर्य के समान है, जिसके द्वारा अज्ञान का अंधकार तुरंत दूर हो जाता है।

अमूल के बाद अब मदर डेयरी का दूध भी हुआ महंगा

नई दिल्ली । अमूल के बाद अब दुग्ध आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी ने भी फुल क्रीम दूध और गाय के दूध की कीमत प्रति लीटर दो रुपए बढ़ा दी है। नई दरें दिल्ली-एनसीआर में रविवार 16 अक्टूबर से लागू हो गई है। फुल क्रीम दूध के दाम 61 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर 63 रुपए कर दिए गए हैं जबकि गाय का दूध अब 53 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 55 रुपए प्रति लीटर हो गया है। दामों में वृद्धि दिल्ली-एनसीआर तथा उत्तर भारत के कुछ अन्य बाजारों में की गई है। दिल्ली-एनसीआर के बाजार में सबसे बड़ी दूध आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी है और पॉली पैक एवं वेंडिंग मशीन के जरिये वह यहां प्रतिदिन 30 लाख लीटर से अधिक दूध की आपूर्ति करती है। मदर डेयरी के प्रवक्ता ने कहा` कि कच्चे दूध के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, लागत में कई गुना बढ़ोतरी होने की वजह से बीते दो महीने में इनमें तीन रुपए प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। कंपनी ने कहा कि उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में बरसात कम होने और चारे के दाम बढ़ने से हालात बिगड़ गए हैं। इसलिए दूध के दाम बढ़ाने पड़ रहे हैं। मदर डेयरी ने इस साल दूध के दाम तीसरी बार बढ़ाए हैं। मार्च में दिल्ली-एनसीआर में दूध के दामों में दो रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की गई थी। इसके बाद अगस्त में भी इसी क्षेत्र में दाम दो रुपए प्रति लीटर बढ़ाए गए थे।

टियागो का इलेक्ट्रिक वर्जन उपलब्ध है 9 लाख रुपये में

-स्वदेशी कंपनी टाटा ने हाल ही किया है लांच

नई दिल्ली । स्वदेशी कंपनी टाटा ने हाल ही में अपने हैचबैक सेगमेंट की गाड़ी टियागो का इलेक्ट्रिक वर्जन 9 लाख रुपये से भी कम कीमत पर लॉन्च किया। लोगों ने इसकी तेजी से बुकिंग भी करवाई। लेकिन फिर भी 8.49 लाख रुपये हर किसी के लिए अफोर्डेबल नहीं हैं।ऐसे में अब बजट ईवी कार लेने का सपना देखने वाले लोगों के लिए मॉरिस गैराज खास लॉन्च की तैयारी में है। बताया जा रहा है कि मॉरिस अपनी कम बजट की ईवी बना रही है और ये गाड़ी 2023 के शुरुआती महीनों में ही लॉन्च की जाएगी। इस कार की कीमत के बारे में तो फिलहाल कंपनी ने कोई खुलासा नहीं किया है लेकिन कहा जा रहा है कि इसकी कीमत 8 लाख रुपये के आसपास रहने की उम्मीद है।एमजी की इस खास कार का नाम भी कुछ हट कर ही होगा। सूत्रों के अनुसार इस कार का नाम एमजी सिटे ईवी हो सकता है। वहीं इस कार को कंपनी अपने फ्लैगशिप मॉडल वुलिंग एयर ईवी के प्लेटफॉर्म पर तैयार कर रही है। वुलिंग एयर काफी पहले इंडोनेशिया में लॉन्च की जा चुकी है। बताया जा रहा है कि एमजी की ये कार टू डोर कूप होगी और इसका डिजाइन कुछ कुछ बॉक्सी होगा।2023 कार लॉन्च को लेकर खास रहने वाला है। साल की शुरुआत में ही दो बड़ी कंपनियां अपनी ई कार को लॉन्च कर सकती हैं। इनमें एमजी के साथ ही होंडा का भी नाम है। होंडा भी साल 2023 की शुरुआत में अपने सबसे पॉपुलर मॉडल सिटी का इलेक्ट्रिक वर्जन लॉन्च कर सकती है। वहीं अपनी कार के बारे में जानकारी देते हुए एमजी के इंडिया प्रेसिडेंट राजीव चाबा ने बताया कि हम सबसे सस्ती कार देने से ज्यादा कम कीमत में बेस्ट और लेटेस्ट तकनीक देने में बिलीव करते हैं। हम लोगों के लिए एक खास ईवी तैयार करने पर काम कर रहे हैं। बता दें कि इलेक्ट्रिक कारों ने इंडियन मार्केट में इन दिनों धूम मचाई हुई है। एक के बाद एक कंपनी अपनी बेहतरीन ई कारों को लॉन्च कर रही हैं और लोगों के बीच इनकी पॉपुलैरिटी बढ़ती जा रही है। लेकिन अब भी इलेक्ट्रिक कारें कम बजट की कार चाहने वालों के लिए सपना ही बनी हुई हैं। उसका कारण है कि इनकी शुरुआती कीमत काफी ज्यादा होती है। लेकिन अब कुछ कंपनियां बजट ई कारों की ओर भी काम कर रही हैं।

कंपनियों के तिमाही परिणामों से तय होगी बाजार की दिशा

रुपए में उतार-चढ़ाव और अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड में रुझान भी कारोबार को प्रभावित करेंगे

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा घोषित होने वाले तिमाही पे रिणामों और वैश्विक रुझानों से तय होगी। इसके अलावा विदेशी पूंजी का प्रवाह भी बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगा। विश्लेषकों ने कहा कि रुपए में उतार-चढ़ाव और अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड में रुझान भी कारोबार को प्रभावित करेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा ` कि बाजार की नजर दूसरी तिमाही के नतीजों और वैश्विक रुझानों पर होगी। इस हफ्ते कई वित्तीय कंपनियों और सीमेंट कंपनियों के दूसरी तिमाही के परिणाम जारी होने वाले हैं। वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बहुत है जिसका प्रभाव हमारे बाजार पर भी पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर अमेरिका और चीन के व्यापक आंकड़े महत्वपूर्ण होंगे। इसके अलावा डॉलर सूचकांक, कच्चा तेल और अमेरिकी बांड के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी। एसीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी बड़ी कंपनियां और कई अन्य कंपनियां नतीजे घोषित करने वाली हैं। एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को सितंबर तिमाही के नतीजे घोषित किए जिनके मुताबिक फंसे कर्ज के लिए प्रावधान घटाने से उसका समेकित शुद्ध लाभ 22.30 फीसदी बढ़कर 11,125.21 करोड़ रुपए हो गया है। उनका कहना हैं` कि इस हफ्ते सारा ध्यान कंपनियों के तिमाही नतीजों पर रहेगा तथा भावी आय वृद्धि के बारे में जानना दिलचस्प रहने वाला है।

मोबाइल ऐप से करें सोने की शुद्धता की पहचान

नई दिल्ली । त्योहार के मौसम में दिवाली और धनतेरस पर देशभर के बाजारों में जमकर सोने-चांदी के आभूषणों की खरीदी होती है। ले किन इनके शुद्धता की पहचान करना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप अपने मोबाइल में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) का बीआईएस केयर ऐप इंस् टॉल कर लें। यह ऐप आपको सोने में होने वाली धोखाधड़ी से बचा सकता है। दरअसल इस ऐप से आप सोने के किसी भी सामान की हॉलमार्किंग की जांच कर सकते हैं। इसके लिए आपको ज्वेलरी के एचयूआईडी यानी हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर की जांच करनी होगी। ये नंबर 6 डिजिट का होता है और इसमें लेटर और डिजिट्स दोनों शामिल होते हैं। जब भी किसी गहने की हॉलमार्किंग की जाती है तो एचयूआईडी नंबर दिया जाता है। कभी भी दो ज वेलरी पर एक एचयूआईडी नंबर नहीं होता है। सोने की शुद्धता परखने के लिए आप ऐप को अपने मोबाइल में इं टॉल करे ले। फिर ऐप ओपन करके अपना नाम, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी आदि दर्ज करें और ओटीपी के जरिए इसे वेरिफाई करें। वेरिफाई होने के बाद जब आप ऐप के फीचर्स में देखेंगे तो आपको वेरीफाई एचयूआईडी का विकल्प मिलेगा। इसके जरिए आप सोने की शुद्धता की जांच कर सकते हैं।

आज खुलेगा इस कंपनी का आईपीओ

मुंबई ।

अगर इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट इंडिया के आईपीओ पर दांव नहीं लगा सके हैं, तब सोमवार को निवेश के लिए तैयार रहें। इस दिन एक और बड़ी कंपनी का आईपीओ आ रहा है। इसकारण अगर शेयर मार्केट में निवेश के लिए प्लान कर रहे हैं, तब पैसे तैयार रखें। मार्केट इंटेलिजेंस डेटा एनालिटिक्स प्रोवाइड कराने वाली ट्रेक्सन टेक्नालाजी का आईपीओ 10 अक्टूबर को खुल रहा है। कंपनी के आईपीओ से 09.38 करोड़ रुपये जुटाने की योजना हैं। पिछले दिनों आए इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट इंडिया के आईपीओ को शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। ट्रेक्सन टेक का आईपीओ 10 से 12 अक्टूबर 2022 तक बोली लगाने के लिए खुला रहेगा। कंपनी ने पब्लिक ऑफर प्राइस बैंड 75 से 80 रुयये प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। ट्रेक्सन टेक के एक लॉट में 185 शेयर शामिल हैं। आईपीओ एक बिल्ड इश्यू है और ये पूरी तरह से ओएफएस नेचर का है। कंपनी के प्रमोटरों में को-फाउंडर नेहा सिंह और अभिषेक गोयल 76.6 लाख शेयर की बिक्री करने वाले हैं। वहीं, फ्लिपकार्ट के संस्थापक बिन्नी बंसल और सचिन बंसल 12.63 लाख शेयर बेचने वाले हैं। ट्रेक्सन प्राइवेट मार्केट में प्रमुख डेटा सर्विस प्रोवाइड कराने वाली कंपनी के रूप में उभरी है। रिपोर्ट के अनुसार, इस आईपीओ में योग्य संस्थागत निवेशकों (क्यूआईआई) के लिए 75 फीसदी कोटा रिजर्व होगा, जबकि गैर-संस्थागत निवेशकों का कोटा 15 फीसदी का कोटा रिजर्व होगा। रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए 10 फीसदी की हिस्सेदारी रिजर्व होगी। ट्रेक्सन टेक्नालाजी के शेयरों का अलॉटमेंट 17 अक्टूबर को हो सकता है। वहीं, 20 अक्टूबर को कंपनी की लिस्टिंग बीएसई और एनएसई पर होगी है। लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को पब्लिक इश्यू का आधिकारिक रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। ट्रेक्सन टेक्नालाजी की शुरुआत साल 2012 में की गई थी। इसके फाउंडर नेहा सिंह और अभिषेक गोयल हैं।

एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से अक्टूबर में की बड़ी बिकवाली

- पहले दो हफ्तों में भारतीय शेयर बाजारों से करीब 7,500 करोड़ रुपए निकाले

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अक्टूबर के पहले दो हफ्तों में भारतीय शेयर बाजारों से करीब 7,500 करोड़ रुपए निकाले हैं। अमेरिकी का केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व तथा विश्वभर के अन्य केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक नीति सख्ती की चिंताएं धारणा को प्रभावित कर रही हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़े बताते हैं कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 2022 में अब तक 1.76 लाख करोड़ रुपए निकाले हैं। कोटक सिक्योरिटीज के एक इक्विटी शोध प्रमुख ने कहा कि आने वाले महीनों में भू-राजनीतिक जोखिमों और बढ़ती मुद्रास्फीति आदि के कारण एफपीआई प्रवाह अस्थिर रह सकता है। आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने तीन से 14 अक्टूबर के दौरान शेयर बाजार से 7,458 करोड़ रुपए निकाले। सितंबर में उन्होंने शेयर बाजार से 7,600 करोड़ रुपए से अधिक निकाले थे। इससे पहले एफपीआई ने अगस्त में 51,200 करोड़ रुपए का और जुलाई में करीब 5,000 करोड़ रुपए का निवेश किया था। जुलाई से पहले विदेशी निवेशक पिछले साल अक्टूबर से लगातार नौ महीने तक शुद्ध बिकवाल बने रहे थे। एक अन्य शोध प्रमुख ने कहा कि एफपीआई द्वारा हालिया निकासी व्यापक रूप से अमेरिका एवं अन्य देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक नीति में सख्ती से उपजी चिंताओं की वजह से की गई। इससे वैश्विक आर्थिक वृद्धि प्रभावित हो सकती है। एफपीआई की बिकवाली का मुख्य कारण डॉलर में लगातार वृद्धि और ये अनुमान हैं कि आने वाले समय में डॉलर में मजबूती जारी रहेगी। भारत के अलावा फिलीपीन, ताइवान और थाइलैंड के लिए भी एफपीआई का प्रवाह नकारात्मक रहा।

सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंप नियों में से छह का बाजार पूंजीकरण 78,163 करोड़ घटा

- सबसे अधिक नुकसान में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की 10 प्रमख कंपे नियों में से छह का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 78,163 करोड़ रुपए घट गया। सबसे अधिक नुकसान में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 271.32 अंक के नुकसान में रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएल, बजाज फाइनेंस और एसबीआई के मूल्यांकन में गिरावट आई जबकि टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस तथा एचडीएफसी लाभ में रहे। हालांकि चारों कंपनियों को 30,467.03 करोड़ रुपए का जो लाभ हुआ है वह छह कंपनियों को हुए घाटे की तुलना में कम है। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 42,113.47 करोड़ रुपए गिरकर 16,04,069.19 करोड़ रुपए रहा। भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 15,159.81 करोड़ रुपए घटकर 4,26,226.99 रहा। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 8,272.37 करोड़ रुपए गिरकर 6,06,317.50 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) की 5,404.06 करोड़ रुपए घटकर 6,05,219.47 करोड़ रुपए रह गई। वहीं बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 4,268.28 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 4,40,295.38 करोड़ रुपए और भारतीय स्टेट बैंक का 2,945.12 करोड़ रुपए कम होकर 4,70,371.66 करोड़ रुपए रहा है। इस रुख के विपरीत टीसीएस की बाजार हैसियत 11,965 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ कुल 11,33,446.05 करोड़ रुपए हो गई। इंफोसिस का भी बाजार पूंजीकरण 9,383.46 करोड़ रुपए बढ़कर 6,20,254.82 करोड़ रुपए हो गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 5,792.76 करोड़ रुपए बढ़कर 8,02,686.8 करोड़ रुपए और एचडीएफसी का 3,325.71 करोड़ रुपए चढ़कर 4,26,135.93 करोड़ रुपए हो गया है। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एसबीआई, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल और एचडीएफसी का स्थान रहा।

भारत से मिले कर्ज से श्रीलंका लगाएगा सौर पैनल

कोलंबो। बिजली के बढ़ती कीमतों को लेकर व्यापक विरोध प्रदर्शनों का सामना कर रही श्रीलंका की सरकार ने कहा कि भारत से मिली 10 करोड़ डॉलर की ऋण-सुविधा का इस्तेमाल वह सरकारी इमारतों और धार्मिक संस्थानों में छतों पर सोलर पैनल लगाने पर करेगी। श्रीलंका ने नौ साल के अंतराल के बाद अगस्त में बिजली की दरों में वृद्धि की थी। उस समय बिजली के दाम औसतन 75 फीसदी बढ़ाए गए थे। उसके इस निर्णय का बड़े स्तर पर विरोध हो रहा है। श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री कंचन विजयशेखर ने कहा कि भारत ने छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए 10 करोड़ डॉलर का जो कर्ज दिया है उसका उपयोग करते हुए स्कूलों, विश्वविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, सरकारी इमारतों और धार्मिक संस्थानों में सौर पैनल लगाए जाएंगे।

केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 9 फीसदी बढ़ा

- डीए की नई दरें 1 जुलाई 2022 से लागू

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने पांचवे व छठे वेतन आयोग के तहत वेतन प्राप्त कर रहे कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) में वृद्धि कर दी है. इस वृद्धि के बाद छठे वेतन आयोग के तहत वेतन ले रहे कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 203 फीसदी से बढ़कर 212 फीसदी हो गया है। डीए की नई दरें 1 जुलाई 2022 से लागू मानी जाएंगी। इसके अलावा पांचवें वेतन आयोग के तहत वेतन ले रहे केंद्रीय कर्मचारियों के डीए को 15 फीसदी बढ़ाकर 396 फीसदी कर दिया गया है। इन कर्मचारियों के लिए भी बढ़ोतरी 1 जुलाई से ही लागू मानी जाएगी। महंगाई भत्ता किसी कर्मचारी के बेसिक वेतन के आधार पर तय किया जाता है। अगर किसी केंद्रीय कर्मचारी की बेसिक सैलरी 43000 रुपए प्रति माह है तो उसे पुराने डीए (203 फीसदी) के तहत 87,290 रुपए मिलते होंगे। वहीं डीए 212 फीसदी होने के बाद ये बढ़कर 91,160 रुपए हो जाएगा। इससे उनके वेतन में करीब 3800 रुपए का इजाफा हो जाएगा। बता दें कि डिपार्टमेंट ऑफ एक्सपेंडिचर (डीओआई) ने 12 अक्टूबर को एक ऑफिस मेमोरेंडम जारी कर डीए बढ़ोतरी की सूचना दी थी। सातवें वेतन आयोग के तहत वेतन या पेंशन ले रहे कर्मचारियों का डीए व डीआर (महंगाई राहत) सितंबर में 34 फीसदी से बढ़ाकर 38 फीसदी कर दिया गया था। इसके बाद से ही छठे व पांचवें वेतन आयोग के तहत वेतन या पेंशन ले रहे कर्मचारी, पूर्व कर्मचारी डीए या डीआर बढ़ाने की मांग कर रहे थे। सरकार अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को महंगाई से मुकाबले के लिए भत्ता देती है। इसी को महंगाई भत्ता (कर्मचारियों के लिए) और महंगाई राहत (पेंशनभोगियों के लिए) कहते हैं। केंद्र सरकार जुलाई और जनवरी में इसकी समीक्षा करती है। डीए इस बात पर भी निर्भर करता है कि कर्मचारी किस क्षेत्र में काम करता हैं। यानी शहरी क्षेत्र, लघु शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों का डीए अलग-अलग होता है। डीए किसी कर्मचारी के बेसिक वेतन के आधार पर होता है। बेसिक पे में किसी अन्य तरह का विशेष भुगतान नहीं होता है और ये शुद्ध वेतन होता है।

डीजल और विमान ईंधन के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ा

डीजल के निर्यात पर कुल टैक्स अब 12 रुपए प्रति लीटर

नई दिल्ली ।

सरकार ने डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाले अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) में बढ़ोतरी करने की घोषणा की है। इसके अलावा घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर भी शुल्क को बढ़ा दिया गया। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में इस वृद्धि की जानकारी दी। अब डीजल के निर्यात पर लगने वाला अप्रत्याशित लाभ कर 10.50 रुपए प्रति लीटर हो गया है। इसमें 1.50 रुपए का सड़क एवं इंफास्ट्रक्चर सेस भी लगेगा। यानी डीजल के निर्यात पर कुल टैक्स अब 12 रुपए प्रति लीटर हो गया है जबकि एटीएफ पर अब यह टैक्स 3.50 रुपए प्रति लीटर लगेगा। वहीं घरेलू स्तर पर निकाले गए कच्चे तेल पर शुल्क को 3,000 रुपए तक बढ़ाकर 11,000 रुपए प्रति टन करने की घोषणा की गई। नई दरें रविवार लागू हो गई हैं। इससे पहले लगातार दो समीक्षा बैठकों में विंडफॉल टैक्स में कटौती की गई थी. 2 अक्टूबर को केंद्र ने डोमेस्टिक क्रूड ऑयल पर विंडफॉल टैक्स को घटाकर 10,500 रुपए प्रति टन से घटाकर 8,000 रुपए प्रति टन कर दिया था। फ्यूल जेट के निर्यात पर यह टैक्स खत्म और डीजल के निर्यात पर इसे आधार कर दिया गया था। हालांकि, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में हाल में हुई बढ़ोतरी को देखते हुए इस बार कच्चे तेल, डीजल और एटीएफ पर शुल्क बढ़ाने का फैसला किया गया।

ओला की फिर बढ़ी मुश्किलें, 6 दिन पहले खरीदा ई स्कूटर दो टुकड़े हुआ

नई दिल्ली । ओला इलेक्ट्रिक की मुश्किलें खत्म नहीं होती दिख रही हैं। पहले ओला के ई स्कूटर में आग की दिक्कतें सामने आईं और अब एक व्यकित का 6 दिन पहले खरीदा स्कूटर दो टुकड़ों में टूट गया। संजीव जैन नामक इस व्यक्ति ने इस बात की जानकारी एक फेसबुक पोस्ट के हवाले से दी। संजीव जैन ने बताया कि ये स्कूटर उन्होंने 6 दिन पहले ही खरीदा है और अब इसका सस्पेंशन टूट गया है। सस्पेंशन टूटने के चलते स्कूटर का आगे का पहिया निकल कर अलग हो गया है। ओला एस 1 प्रो का टूटे पहिए का फोटो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। संजीव जैन ने इस फोटो को एस 1 प्रो इलेक्ट्रिक स्कूटर नाम के फेसबुक पेज पर पोस्ट किया जिसके बाद लोगों ने इसे तेजी से शेयर करना शुरू किया है। संजीव ने बताया कि वे अपने नए स्कूटर को कॉलोनी में ही चला रहे थे तभी अचानक झटके के साथ सस्पेंशन टूट गया और स्कूटर का आगे का पहिया अलग हो गया। उल्लेखनीय है कि ओला एस 1 प्रो की ऑन रोड कीमत करीब 1.39 लाख रुपये है। गौरतलब है कि ओला स्कूटरर्स में ये पहली बार नहीं है कि कोई शिकायत आई हो। इससे पहले भी ओला के स्कूटर में आग लगने की घटनाएं सामने आई थीं, जब चार्जिंग के दौरान इस स्कूटर ने अचानक आग पकड़ ली थी। ओला ने सितंबर में रिकॉर्ड बिक्री की थी और इलेक्ट्रिक स्कूटर सबसे ज्यादा बेचे थे। इस बात की जानकारी ओला इलेक्ट्रिक के सीईओ भाविश अग्रवाल ने खुद दी थी। साथी ही उन्होंने दिवाली से पहले एक नए ओला मॉडल के लॉन्च की बात भी बताई थी जो किफायती दर में लॉन्च करने की योजना कंपनी की है।

मारुति ने बाजार में उतारी नई सीएनजी कार, 32किमी के का किफायती एवरेज, दाम भी कम

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने कार बाजार में अपनी नई सीएनजी कार उतार दी है बाजार में सीएनजी कारों का दबदबा कायम है। ऐसे में भारत की प्रमुख ऑटोमोटिव ब्रांड मारुति सुजुकी ने एक और सीएनजी कार बहुत ही कम कीमत में लॉन्च कर दी है। मारुति सुजुकी ने अपनी माइक्रो एसयूवी एस-प्रेसो का नया सीएनजी वर्जन लॉन्च कर दिया है। मारुति सुजुकी का दावा है कि यह कार सीएनजी पर 32.73 किलोमीटर प्रति किलो माइलेज देगी। यह एआरएआई द्वारा भी प्रमाणित किया गया है। मारुति एस प्रेसो एस सीएनजी में कंपनी ने 1.0 लीटर डुअल जेट, डुअल वीवीटी नेक्स्ट जनरेशन के सीरीज इंजन को दिया है। एस-प्रेसो एस का नया सीएनजी इंजन 5,300 आरपीएम पर 41.7किलोवाट (56.69 पीएस) का पीक पावर आउटपुट और सीएनजी मोड में 3,400 आरपीएम पर 82.1एनएम का अधिकतम टॉर्क पैदा करता है। पेट्रोल से चलने पर यह इंजन 5,500 आरपीएम पर 65.26 पीएस की पीक पावर और 3,500 आरपीएम पर 89 एनएम की टॉर्क देता है। एस-प्रेसो 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ-साथ 5-स्पीड एएमटी के साथ उपलब्ध है। मारुति एस-प्रेसो एस-सीएनजी 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ काम करती है। मारुति ने इस कार में एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले की कनेक्टिविटी वाला 7 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया है। इसके साथ ही इसमें आपको डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, फ्रंट पावर विंडो, कीलेस एंट्री, फ्रंट सीट पर डुअल एयरबैग्स, रियर पार्किंग सेंसर्स, स्पीड अलर्ट, ईबीडी के साथ एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम, फ्रंट सीटबेल्ट रिमाइंडर जैसे फीचर्स देखने को मिलते हैं।

केवल एस-प्रेसो एलएक्सआई एस-सीएनजी और वीअक्सआई एस-सीएनजी वैरिएंट में ही सीएनजी उपकरण मिलते हैं। इसके कीमत कीमत की बात करें तो एलएक्सआई एस-सीएनजी वैरिएंट की 5.9 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। वहीं, वीअक्सआई एस-सीएनजी वैरिएंट की कीमत 6.10 लाख (एक्स-शोरूम) है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टी20 विश्व कप की अंतिम ग्यारह में शमी और अर्शदीप को मिलेगा अवसर : उथप्पा

मेलबर्न । पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने कहा है टी20 विश्व कप के लिए भारत की अंतिम ग्यारह टीम में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और युवा अर्शदीप सिंह भी शामिल रहेंगे। वहीं अगर भारतीय टीम तीन तेज गेंदबाजों के साथ खेलने का फैसला करती है तो भुवनेश्वर कुमार और हर्षल पटेल में से किसी एक को ही अंतिम ग्यारह में जगह मिल पायेगी। वहीं इसके साथ ही उथप्पा ने कहा, 'अंतिम ग्यारह का फैसाल इस बात पर भी निर्भर करेगा कि टीम कितने तेज गेंदबाजों के साथ उतरने जा रही है क्योंकि टीम के पास ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी है। मेरा मानना है कि अर्शदीप और शमी को टीम में जगह मिलनी चाहिये। इसके अलावा भुवनेश्वर और हर्षल में से किस को रखा जाता है यह टीम प्रबंधन पर निर्भर करता है। भारतीय टीम टी20 विश्व कप में अपना पहला ही मुकाबला 23 अक्टूबर को पाकिस्तान से खेलेगी। वहीं इससे पहले भारतीय टीम 17 और 19 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से दो अभ्यास मैच खेलेगी। उथप्पा का यह भी मानना है कि दोनो अभ्यास मैचों में प्रदर्शन के आधार पर ही विश्वकप के लिए अंतिम ग्यारह का चयन होगा।

टी20 पुरुष विश्वकप क्रिकेट : पहले ही क्वालिफाइंग मैच में नामीबिया ने श्रीलंका को हराकर उलटफेर किया

प्लेयर ऑफ द मैच बने फ्राइलिंक

जिलॉन्ग।

यहां रविवार को गाबा मैदान में शुरु हुए आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के क्वालिफाइंग राउंड के पहले ही मैच में नामीबिया ने एशियाकप विजेता श्रीलंका को 55 रनों से हराकर सबको हैरान कर दिया। इस मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए नामीबिया के फ्राइलिंक को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। ऑस्ट्रेलिया के गाबा मैदान में हुए इस मैच में श्रीलंकाई टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। नामीबिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जेन फ्राइलिंक के 44 और जे. स्मिट के 31 रनों की सहायता से निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 163 रन बनाये। वहीं श्रीलंका की ओर से मधुसन ने दो विकेट लिए जबकि बाकि गेंदबाजों को एक-एक विकेट लिया। इसके बाद जीत के लिए मिले 164 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए एशियाई चैम्पयन श्रीलंका की टीम केवल 108 रनों पर ही सिमट गयी। लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने केवल चार ओवर में ही 21 रन के स्कोर पर तीन विकेट खो दिये। कुसल मेंडिस 6, पाथुम निसानका 9 और दनुष्का गुणथिलका खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये हालांकि इसके बाद धनंजय डी सिल्वा और भानुका राजपक्षे ने संभालने की कोशिश की पर वह कुसल मेंडिस (6), पाथुम निसानका (9) और दनुष्का गुणथिलका (0) के अहम विकेट गंवा लिए। हालांकि इसके बाद धनंजय डी सिल्वा और भानुका राजपक्षे ने संभालने की कोशिश की इसके बाद श्रीलंकाई टीम के मैच में वापसी के सभी प्रयास विफल रहे। उसकी बल्लेबाजी इतनी लचर रही कि केवल 4 बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये। सबसे ज्यादा 29 रन कप्तान दसुन सनाका ने बनाए जबकि अन्य बल्लेबाज नाकाम रहे। वहीं नामीबिया की ओर से इस मैच में डेविड वीज़, बरनार्ड, बेन और जेन फ्रेलिंग ने 2-2 विकेट लिए। इससे पहले इस मैच में पहले बल्लेबाजी नामीबियाई टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। टीम ने 35 रनों के स्कोर पर ही अपने तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद फ्राइलिंक और स्मिट के बीच 33 गेंद में 69 रनों की तेज साझेदारी ने मैच पलट दिया और नामीबियाई टीम 163 रनों का एक अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही। इस मैच में जीत के साथ ही नामीबिया ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। नामीबिया टी20 अंतरराष्ट्रीय में एसोसिएट टीम के तौर पर पूर्ण सदस्य टीम पर सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाली तीसरी टीम बन गई है।

भारत-पाक महामुकाबले में हो सकती है बारिश

मेलबर्न ।

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में 23 अक्टूबर को होने वाले भारत-ऑस्ट्रेलिया महामुकाबले पर बारिश का साया मंडरा रहा है। इस मैच का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और इसी कारण इसके सभी टिकट भी बिक गये हैं। अगर बारिश हुई तो प्रशंसकों को झटका लगने के साथ ही विश्वकप का रोमांच भी कम हो जाएगा। मौसम विभाग के अनुसार 23 अक्टूबर को मेलबर्न में सुबह और शाम को बारिश के अनुमान हैं। यहां के कुछ इलाकों में पिछले दिनों से बारिश चल रही है। उसको देखते हुए मौसम विभाग का आंकलन नकारा भी नहीं जा सकता है। इससे पहले हुए एशिया कप में भी दोनो टोमों के बीच दो मुकाबले हुए थे। जिसमें दोनो ही टीमें एक-एक मुकाबला जीतीं थीं। पाक ने इस टूर्नामेंट के लिए चोटिल उस्मान कादिर की जगह फखर जमान को टीम में शामिल किया है। फखर इससे पहले एशिया कप में घुटने की चोट के कारण शामिल नहीं किये गये थे हालांकि अब वह चोट से उबर गये हैं और खेलने के लिए तैयार हैं। वहीं मुख्य तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी की भी टीम में वापसी हुई है। शाहीन के आने से खेल में प्रतिस्पर्धा और कड़ी होगी। वहीं भारतीय टीम ने अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह पर मो शमी को शामिल किया है। बुमराह पीठ में दर्द के कारण इस सीरीज में नहीं खेलेंगे।

16 दिसंबर को होगी आईपीएल नीलामी , मेगा नीलामी की रकम 95 करोड़ रुपये होने होने की उम्मीदें

कोरोना काल से पहले के मूल प्रारुप में होंगे मुकाबले

मुंबई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2023 सत्र के लिए नीलामी इस साल के अंत में 16 दिसंबर को बेंगलुरु में होने की संभावना है। इसके साथ ही, मेगा नीलामी में जो रकम 90 करोड़ रुपये थी, उसे भी बढ़ाकर अगले सत्र से 95 करोड़ रुपये किये जाने की उम्मीद है। यह नीलामी 16 दिसंबर को होगी. आईपीएल 2023 के सत्र से कोरोना काल से पहले के अपने मूल प्रारूप में खेला जाएगा। इसमें टीमें अपने घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान पर मैच खेलती थी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने इसको लेकर सभी मान्यता प्राप्त इकाइयों को जानकारी दे दी है। गौरतलब है कि साल वर्ष 2020 में कोविड-19 महामारी फैलने के कारण यात्राओं को टालने के लिए आईपीएल कुछ स्थानों पर ही आयोजित किया गया था। वर्ष 2020 में इसका आयोजन संयुक्त अरब अमीरात के तीन स्थानों दुबई, शारजाह और अबुधाबी में खाली स्टेडियमों में किया गया था। वहीं वर्ष 2021 में इस टी20 टूर्नामेंट का आयोजन चार स्थानों दिल्ली, अहमदाबाद, मुंबई और चेन्नई में किया गया पर अब कोरोना महामारी नियंत्रण में है और इसलिए यह लीग घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान के पुराने प्रारूप में खेली जाएगी। गांगुली ने सितंबर माह के अंत में राज्य इकाइयों को भेजे गए संदेश में कहा, 'आईपीएल को अगले साल से घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान पर मैच खेलने के प्रारूप में आयोजित किया जाएगा। सभी 10 टीमें अपने घरेलू मैच अपने तय स्थल पर खेलेंगी।'

महिला अंडर-17 विश्व कपः भारत के सामने ब्राजील की कड़ी चुनौती

भुवनेश्वर ।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम सोमवार को यहां फीफा अंडर-17 विश्व कप में ब्राजील की बेहद मजबूत टीम के खिलाफ खेलने उतरेगी तो मेजबान टीम इस मौके का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगी। भारत पहले ही टूर्नामेंट के नॉकआउट की दौड़ से बाहर हो चुका है लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि मेजबान टीम का टूर्नामेंट में अंतिम मुकाबला सीखने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण होगा क्योंकि विश्व फुटबॉल की दिग्गज टीम ब्राजील का स्तर कहीं बेहतर है। ग्रुप ए के अपने दूसरे मैच में भारत ने दूसरे हाफ में तीन गोल गंवाए और उसे शुक्रवार को मोरक्को के खिलाफ 0-3 की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा जिससे टीम टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण की दौड़ से बाहर हो गई। भारत ने पहला मैच अमेरिका के खिलाफ 0-8 से गंवाया था और टीम की लगातार दो हार के बाद मुख्य कोच थॉमस डेनरबी ने स्वीकार किया कि उनकी टीम तकनीकी रूप से उम्मीद के मुताबिक नहीं खेल पाई। डेनरबी चाहते हैं कि उनकी खिलाड़ी जब अपने अंतिम मैच में ब्राजील के खिलाफ उतरें तो वे आक्रमण करते हुए अधिक आत्मविश्वास दिखाएं। इस हफ्ते जारी नवीनतम फीफा रैंकिंग में ब्राजील की सीनियर महिला टीम नौवें स्थान पर थी। डेनरबी ब्राजील की क्षमता से वाकिफ हैं लेकिन साथ ही उन्हें लगता है कि उनकी खिलाड़ी मैदान पर खुद को साबित करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, 'हमें डिफेंस पर बहुत ध्यान देना होगा लेकिन हम यह भी जानते हैं कि फुटबॉल केवल डिफेंस नहीं है।

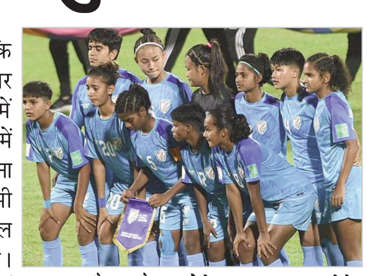

टूर्नामेंट में गोल करना हमारे लिए अच्छा होगा।' डेनरबी ने कहा, 'ब्राजील एक अच्छी टीम है। और हम यह भी जानते हैं कि ब्राजील नॉकआउट चरण में अपनी जगह सुनिश्चित करने के लिए चुनौती पेश कर रहा है इसलिए मुझे लगता है कि वे कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।' डेनरबी ने कहा कि भारतीय लड़कियां ब्राजील के खिलाफ अपनी प्रतिष्ठा के लिए खेलने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'हम लड़ेंगे और एक गोल करने की कोशिश करेंगे। इस टूर्नामेंट से एक गोल के साथ बाहर जाना अच्छा होगा।' कोच ने कहा, 'हमने अंतिम महत्वपूर्ण पास पर काम किया है- विरोधी टीम के बॉक्स के आसपास की मूवमेंट। यह फुटबॉल का सबसे कठिन हिस्सा भी है - यह जानने के लिए कि उस तरह की स्थिति को कैसे संभालना है।'

संक्षिप्त समाचार

रेगासा और इरिन दिल्ली हाफ मैराथन में विजेता बने

स्टीपल चेज में भारत के अविनाश और संजीवनी शीर्ष पर रहे

नई दिल्ली । इथोपियाई एथलीट चाला रेगासा और कीनिया की इरिन चेप्टाई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को यहां आयोजित वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में पुरुष और महिला वर्ग के मुकाबले जीते हैं। रेगासा ने पुरुष वर्ग में एक घंटे 30 सेकंड के समय निकालकर दौड़ जीती जबकि महिला वर्ग में इरिन ने 1:06:42 का सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। वहीं कीनिया के ही फेलिक्स किपकोच और इथियोपिया के बोकी डिरिबा पुरुष वर्ग में 1:00:33 और 1:00:34 का समय निकालकर दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे जबकि 1:08:02 और 1:08:11 का समय निकालकर इथोपिया की डाविट सीयूम और युगांडा की स्टेला चेसांग महिलाओं की दौड़ में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। वहीं स्टीपल चेज के पुरुष वर्ग में भारत के अविनाश साबले 1:04:00 का समय निकाल कर पहले स्थान पर रहे। उन्होंने कार्तिक कुमार और श्रीनु बुगाथा को 0.04 सेकंड के अंतर से पीछे छोड़ा। दूसरी ओर महिला वर्ग में संजीवनी यादव ने 1:17:53 का समय लेकर शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि मोनिका अथारा और प्रीति लांबा 1:18:39 और 1:19:06 का समय निकालकर दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं।

मैक्सवेल के खराब फार्म से ऑस्ट्रेलियाई टीम की परेशानी बढ़ी

नई दिल्ली । खिलाड़ी की फिटनेस से जूझ रही ऑस्ट्रेलियाई टीम अब अपने स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल के खराब फार्म से परेशान है। ऑस्ट्रेलियाई टीम को अगर खिताब बचाना है तो उसके लिए मैक्सवेल का फार्म में आना जरुरी है। मैक्सवेल टीम के एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं। वह गेंदबाजी के साथ ही अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए भी जाने जाते हैं पर हाल के कुछ दिनों से वह न ही रन बना पा रहे हैं और न ही विकेट लेने में सफल हो रहे। मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम को हाल में खेली गयी टी20 सीरीज में भारत और इंग्लैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। इन दोनों ही सीरीज में मैक्सवेल नाकाम रहे थे। उनके प्रदर्शन का स्तर इतना खराब हो गया है कि पिछली सात पारियों में बल्लेबाजी करते हुए वह दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये हैं। भारत के अलावा वह वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में भी रन नहीं बना पाये। इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की टी20 सीरीज में भी मैक्सवेल संघर्ष करते दिखे। पिछले सात टी20 मुकाबले में उनकी गेंदबाजी भी अच्छी नहीं रही और वह इन मुकाबलों में केवल दो विकेट ही ले पाये हैं। भारत, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में भी वह विकेट नहीं ले पाये।

टी20 WC: श्रीलंका पर जीत के बाद सचिन तेंदलुकर ने की नामीबिया की प्रशंसा, बोले- 'नाम याद रखना'

मुंबई।

महान भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने रविवार को आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के टूर्नामेंट के पहले मैच में श्रीलंका पर जीत के बाद नामीबिया क्रिकेट टीम की प्रशंसा की है। नामीबिया ने एशिया कप 2022 चैंपियन श्रीलंका को अपने ग्रुप ए में 55 रनों से हराकर आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के पहले मैच में जीत दर्ज करते हुए इतिहास रचते हुए टी20 इंटरनेशनल्स में एसोसिएट टीम बनाम पूर्ण सदस्य टीम के बीच रनों के हिसाब से सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाली तीसरी टीम बनी। तेंदुलकर ने ट्वीट किया, नामीबिया ने आज क्रिकेट जगत को बता दिया है...'नाम 'याद रखना!'। मैच की बात करें तो नामीबिया ने पहले बल्लेबाजी करने उतरी उनकी शुरुआत खराब रही। नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे और 15 ओवर में नामीबिया 95/6 पर था। लेकिन उन्होंने अंतिम पांच ओवरों में 68 रन बनाकर रफ्तार पकड़ी। जान फ्रिलिंक (28 गेंदों में 44 रन) और जे जे स्मिट (16 गेंदों पर 31 *) ने 20 ओवर में अपनी टीम को 163/7 तक पहुंचाने में मदद की। श्रीलंकाई गेंदबाज प्रमोद मदुशन (2/37) के अलावा महेश थीक्षाना, दुष्मंथा चमीरा, चमिका करुणारत्ने और वनिन्दु हसरंगा ने एक-एक विकेट लिया। 164 रनों का पीछा करते हुए श्रीलंका को नामीबिया की शानदार गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण के कुछ अच्छे प्रदर्शन से आश्चर्यचकित कर दिया। केवल कप्तान शनाका (23 गेंदों में 29) और भानुका राजपक्षे (21 गेंदों में 20 रन) ही अच्छा स्कोर कर सके क्योंकि एशियाई चैंपियन सिर्फ 108 रन पर ढेर हो गए और 55 रन से मैच हार गए। नामीबिया के लिए डेविड विसे (2/16) और बर्नार्ड शोल्ट्ज (2/18) प्रमुख गेंदबाज थे। बेन शिकोंगो और जान फिलिंक ने भी दो स्कैल्प लिए जबकि जेजे स्मिट ने एक विकेट लिया। फ्रिलिंक को उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए 'मैन ऑफ द मैच' पुरस्कार से नवाजा गया। उन्होंने 44 रन बनाए और गेंद से 2/26 रन बनाए।

श्रीलंका पर ऐतिहासिक जीत के बाद नामीबिया के कप्तान बोले- अभी बहुत काम करना बाकी है

(एजेंसी)।

श्रीलंका के खिलाफ जिलॉन्ग के सिमोंड्स स्टेडियम में खेले गए टी20 विश्व कप के ग्रुप ए के पहले मैच में नामीबिया ने 55 रन से ऐतिहासिक जीत दर्ज की। मैच के बाद नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने हमने शानदार जीत की शुरुआत की है, लेकिन इस पूरे टूर्नामेंट में अभी बहुत काम करना बाकी है। मैच के बाद प्रेस वार्ता में इरास्मस ने कहा, अतुल्य यात्रा, पिछला साल हमारे लिए एक विशेष अनुभव था। हमने शानदार जीत की शुरुआत की है, लेकिन इस पूरे टूर्नामेंट में अभी बहुत काम करना बाकी है। यह हमारे लिए ऐतिहासिक दिन रहा है। उद्घाटन का दिन काफी खास रहा है लेकिन हम यहां से शुरुआत करना चाहते हैं और सुपर 12 चरण के लिए क्वालीफाई करना चाहते हैं। हम बड़ी तस्वीर को भी समझते हैं। इसका श्रेय पियरे (डी ब्रुइन) को जाता है, जिस तरह से उन्होंने इस टीम में कोचिंग स्थापित की है, एक वह जो एक जीतने वाली संस्कृति है और एक जो एक साथ रहती है। सीमित संसाधनों के साथ, मुझे नहीं लगता कि कोई और है जो इतना ऐसा कर सकता है। गौर हो कि श्रीलंका ने टॉस जीतकर नामीबिया को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। नामीबिया ने जेन फ्राइलिंक (44) और जेजे स्मिट (31 नाबाद) के बीच हुई 70 रन की विस्फोटक साझेदारी की बदौलत आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के ग्रुप-ए मुकाबले में रविवार को श्रीलंका के सामने 164 रन का लक्ष्य रखा। फ्राइलिंक ने 28 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 44 रन बनाए जबकि स्मिट ने 16 गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों के साथ 31 रन की नाबाद पारी खेलकर नामीबिया को 20 ओवर में 163/7 के स्कोर तक पहुंचाया। श्रीलंका की तरफ से प्रमोद मदुशनी ने 2 जबकि दीक्षाना, चमीरा, करुणारत्ने और हसरंगा ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

केवल स्टार खिलाड़ियों से ही नहीं मिलती जीत : पूरन

होबार्ट । वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कप्तान निकोलस पूरन ने कहा है कि केवल स्टार खिलाड़ी होने से ही टीम को जीत नहीं मिल जाती। पूरन के अनुसार टीम को जीत हासिल करने के लिए युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के बीच संतुलन बनाना होता है। दो बार की टी20 विजेता रही वेस्टइंडीज की टीम में इस बार कीरोन पोलार्ड, ड्वेन ब्रावो और लेंडल सिमंस सहित कई स्टार खिलाड़ी नहीं हैं जिससे उसकी जीत की दावेदारी कमजोर नजर आ रही है। पिछले साल विश्व कप में भाग लेने वाले उसके 12 खिलाड़ी इस बार टीम में नहीं हैं। पोलार्ड, ब्रावो और सिमंस ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है जबकि आंद्रे रसेल और सुनील नारायण भी टीम में शामिल नहीं किया गया है। पूरन ने कहा, '' जीत के लिए अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के बीच संतुलन होना चाहिए। यह सही है कि हमने जब दो विश्वकप जीते थे तब उस समय हमारे पास कई स्टार खिलाड़ी थे। वहीं पिछले साल भी हमारी टीम में कई नामी खिलाड़ी थे पर वह विफल रही थी , इससे साफ है कि प्रमुख खिलाड़ियों के होने से ही सफलता नहीं मिल जाती।''

बंगाल की लगातार तीसरी जीत, तीन बार के चैंपियन पटना को 28 अंक से हराया

बेंगलुरू ।

बंगाल वॉरियर्स ने श्री कांतीरवा इंडोर स्टेडियम में खेले गए वीवो प्रो कबड्डी लीग के नौवें सीजन में 21वें मैच में अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स को 54-26 के अंतर से हरा दिया। यह इस सीजन में किसी टीम की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। हैरानी की बात यह है कि लगातार तीन सीजन तक मैट पर दबदबा बनाए रखने वाली पटना की टीम को चार मैचों में एक भी जीत नहीं मिल सकी है। तीन मैचों में उसे हार मिली है जबकि एक मैच टाई रहा है। बंगाल की जीत में उसके कप्तान और स्टार रेडर मनिंदर सिंह (12) और श्रीकांत जाधव (9) का अहम योगदान रहा। डिफेंस ने भी 14 अंक अपने नाम किए। पटना की ओर से केवल सचिन तंवर (12) प्रभावित कर सके जबकि डिफेंस ने 26 फेल्ड टैकल्स किए। पटना के डिफेंस को सिर्फ 7 अंक मिले। इस सीजन का अपना तीसरा सुपर-10 लगाने वाले मनिंदर और बीते सीजन के सबसे सफल डिफेंडर पटना के स्टार डिफेंडर मोहम्मदरेजा शादलू की जंग में बार-बार जीत मनिंदर की हुई और इसी कारण बंगाल ने एक समय 10-5 की लीड ली थी। फिर बंगाल ने बीते सीजन के फाइनलिस्ट पटना को ऑल आउट कर 14-6 की लीड ले ली। सचिन हालांकि लगातार बंगाल को परेशान कर रहे थे। ऑलआउट के बाद सचिन ने एक बार फिर बंगाल के डिफेंस को तोड़ा और दो अंक लिए और फिर नीरज ने दीपक को लपक लिया। अगली रेड पर सुनील ने मनिंदर को लपक लिया।

जाधव ने हालांकि सुपर रेड के साथ स्कोर 21-11 कर दिया। पटना के लिए सुपर टैकल आन था। फिर मनिंदर ने पटना को दूसरी बार ऑल आउट कर अपनी टीम को पहले हाफ तक 26-12 की लीड दिला दी। ब्रेक के बाद सचिन ने सुपर रेड के साथ सुपर-10 पूरा कर पटना की वापसी के संकेत दे दिए। मनिंदर ने हालांकि डू ओर डाई रेड पर फिर शादलू का शिकार किया। अगली रेड पर मनिंदर ने तीसरा सुपर-10 पूरा किया। शादलू ने हालांकि अगली रेड पर मनिंदर का एंकल होल्ड कर लिया लेकिन जाधव ने सुपर टैकल की स्थिति में सुपर रेड लगाकर पटना को तीसरी बार ऑल आउट कर बंगाल को 39-19 से आगे कर दिया। 4 मिनट बचे थे और अंकों का फासला 22 हो चुका था।

स्पेन में ला लिगा फुटबॉल मुकाबले में खेलती हुई एथलेटिक बिलबाओ और एटलेटिको मैड्रिड की टीमें।

कार्तिक मास में क्या करना चाहिए और क्या करने से बचना चाहिए

कार्तिक मास चल रहा है। इस माह में विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा के साथ ही यम, धन्वंतरि, गोवर्धन, श्रीकृष्ण, चित्रगुप्त आदि की पूजा का महत्व होता है। इस माह में एक साथ समस्त देवी-देवताओं को प्रसन्न किया जा सकता है। आओ जानते हैं कि इस माह में क्या करना चाहिए और क्या नहीं जानते हैं।

पीपल पूजा : पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी का पीपल के वृक्ष पर निवास रहता है। पूर्णिमा के दिन जो भी जातक मीठे जल में दूध मिलाकर पीपल के पेड़ पर चढ़ाता है उस पर मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है।

चावल का दान : कार्तिक मास में गरीबों को चावल दान करने से चन्द्र ग्रह शुभ फल देता है।

शिवलिंग पूजा : इसी तरह इस माह शिवलिंग पर कच्चा दूध, शहद व गंगाजल मिला कर चढ़ाने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं।

द्वार श्रृंगार और पूजा : कार्तिक मास के प्रमुख पर्वों पर घर के मुख्यद्वार पर आम के पत्तों का तोरण बांधें।

उपहार : इस माह पत्नी या किसी नन्ही बच्ची को उपहार दें।

रंगोली : कार्तिक मास में माह भर द्वार पर रंगोली जरूर बनाएं। इससे विशेष समृद्धि के योग बनते हैं। नवग्रह प्रसन्न होते हैं।

ये कार्य न करें

- शादीशुदा व्यक्ति कार्तिक मास में शारीरिक संबंध न बनाएं वरना चन्द्रमा के दुष्प्रभाव आपको व्यथित करेंगे।
- इस माह में मांसाहार, शराब और मछली आदि तामसिक भोजन नहीं करना चाहिए।
- इस माह में बैंगन, दही, करेला और जीरा नहीं खाना चाहिए। मूली खाना फायदेमंद होगा।
- दलहन (दालों) खाना निषेध- कार्तिक महीने में द्विदलन अर्थात उड़द, मूंग, मसूर, चना, मटर, राई आदि नहीं खाना चाहिए।

घर लाएं मिट्टी की ये खास वस्तुएं

चमक जाएगी किस्मत, घर लाएं मिट्टी ना सिर्फ मन को सुवासित करती है बल्कि इसके बर्तन, खिलौने और सामग्री अगर घर में लाकर रखी जाए तो जिंदगी भी महक सकती है। मिट्टी से बनी चीजें सुख, सौभाग्य और समृद्धि की कारक होती हैं। मिट्टी का उपयोग हमारे जीवन को भाग्यशाली बना सकता है।

- हर व्यक्ति को मिट्टी या भूमि तत्व के पास ही रहना चाहिए।
- वास्तुशास्त्र के अंतर्गत भी मिट्टी को महत्वपूर्ण कहा गया है। मिट्टी के घड़े से पानी पीना या घर में मिट्टी के बर्तन रखना अत्यंत लाभदायक माना गया है।
- ऐसा करने से आसपास सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बना रहता है। लेकिन ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मिट्टी के कुछ बर्तन ऐसे हैं जो हर घर में होने ही चाहिए। जो लोग चाहते हैं कि उनके जीवन में सुख-समृद्धि और सफलता हमेशा बरकरार रहे उन लोगों को कुछ विशेष प्रकार के मिट्टी के बर्तन अपने घर में रखने चाहिए।
- मिट्टी के इन उपयोगी बर्तनों में सबसे पहला नाम है घड़े का।
- बहुत से परिवारों में घड़े का पानी पिया जाता है, घड़े का पानी पीने से बुध और चंद्रमा का प्रभाव शुभ होता है।
- यहां तक कि विज्ञान भी यह मानता है कि घड़े का पानी सेहत के लिए अत्यंत लाभकारी होता है।
- अगर आपके घर में घड़ा हैं तो इसे अपने घर की उत्तर-पूर्वी दिशा में ही रखें। यह आपके घर और आसपास के वातावरण की सभी नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करता है।
- परिवार में सुख और समृद्धि के मार्ग भी खुल जाते हैं।
- घर में कोई व्यक्ति तनाव ग्रस्त हैं या मानसिक रूप से परेशान है तो आप उन्हें माटी के घड़े से किसी भी पौधे को पानी देने के लिए कहें।
- लस्सी और चाय कुल्हड़ में पीने का मजा ही कुछ और है, लेकिन मिट्टी से बने ये गिलास मंगल ग्रह के दुष्प्रभाव से भी मुक्ति दिलवाते हैं।
- इसलिए जो लोग मंगल के कोप से प्रभावित है, उन्हें कोई भी पेय पदार्थ कुल्हड़ में ही पीने चाहिए।
- हर शनिवार के दिन किसी कुल्हड़ में पानी भरकर पीपल के पेड़ के नीचे रखने से करियर में लाभ मिलेगा।
- कुल्हड़ में पानी भरकर अपनी छत पर भी प्यासे पक्षियों के लिए रख सकते हैं, इससे अगर आप नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो आपकी तलाश जल्द पूरी होगी।
- मिट्टी से बनी भगवान की मूर्ति को घर में रखने से भी आपकी धन संबंधी परेशानियां तो दूर होती ही हैं, साथ ही धन की स्थिरता भी बनी रहती है।
- जो लोग धन संबंधी परेशानियां झेल रहे हैं उन्हें हर शनिवार मिट्टी का दीया पीपल के पेड़ के नीचे जलाना चाहिए।
- अगर किसी व्यक्ति के दांपत्य जीवन में परेशानियां चल रही हैं तो उसे नियमित तौर पर तुलसी के पौधे पर मिट्टी का दीया जलाना चाहिए।
- नि:संतान स्त्री या पुरुष को चार मुंह वाले दीये में चार लौ लगाकर श्रीकृष्ण की मूर्ति के आगे प्रज्वलित करना चाहिए।
- मिट्टी से बनी विभिन्न वस्तुओं या खिलौनों का ड्राइंग रूम में प्रयोग करने से धन की आवक बढ़ती है।

इन पुष्पों से करें श्री हरि का पूजन

कार्तिक मास चल रहा है। इस माह की समाप्ति कार्तिक पूर्णिमा के दिन यानी को होगी। इस महीने में विशेष तौर पर भगवान श्री विष्णु का पूजन करने की मान्यता है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार कार्तिक माह भगवान श्रीहरि का महीना माना गया है। मान्यतानुसार जो भक्त कार्तिक मासपर्यंत निम्न पुष्पों से भगवान श्री हरि विष्णु का पूजन करते हैं, उनके जन्म-जन्मांतर के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है। इतना ही नहीं देवउठनी एकादशी या हरि प्रबोधिनी एकादशी के दिन तो अवश्य ही इन पुष्पों से श्री नारायण का पूजन करना चाहिए। इन पुष्पों के साथ ही तुलसी दल से पूरे कार्तिक मास में विष्णु पूजन करने से मनुष्य को सभी तरह के सुख और चारों दिशाओं से समृद्धि की प्राप्ति होती है।

जानिए किन पुष्पों से करें विष्णु पूजन

- कार्तिक मास में जो मनुष्य तुलसी से भगवान का पूजन करते हैं, उनके 10,000 जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- जो मनुष्य वकुल और अशोक के फूलों से भगवान विष्णु का पूजन करते हैं, वे सूर्य-चंद्रमा रहने तक किसी प्रकार का शोक नहीं पाते।
- जो मनुष्य अगस्त्य के पुष्प से भगवान विष्णु का पूजन करते हैं, उनके आगे इंद्र भी हाथ जोड़ता है। तपस्या करके संतुष्ट होने पर हरि भगवान जो नहीं करते, वह अगस्त्य के पुष्पों से भगवान को अलंकृत करते हैं।
- कार्तिक मास में तुलसी दर्शन करने, स्पर्श करने, कथा कहने, नमस्कार करने, स्तुति करने, तुलसी रोपण, जल से सींचने और प्रतिदिन पूजन-सेवा आदि करने से हजार करोड़ युगपर्यंत विष्णुलोक में निवास करते हैं।
- जो मनुष्य तुलसी का पौधा लगाते हैं, उनके कुटुम्ब से उत्पन्न होने वाले प्रलयकाल तक विष्णुलोक में निवास करते हैं।
- जो मनुष्य कार्तिक मास में तुलसी का रोपण करता है और रोपी गई तुलसी जितनी जड़ों का विस्तार करती है उतने ही हजार युगपर्यंत तुलसी रोपण करने वाले सुकृत का विस्तार होता है।
- जिस किसी मनुष्य द्वारा रोपी गई तुलसी से जितनी शाखा, प्रशाखा, बीज और फल पृथ्वी में बढ़ते हैं, उसके उतने ही कुल जो बीत गए हैं और होंगे, वे 2,000 कल्प तक विष्णुलोक में निवास करते हैं।
- जो मनुष्य कदम्ब के पुष्पों से श्रीहरि का पूजन करते हैं, वे कभी भी यमराज को नहीं देखते।
- जो भक्त गुलाब के पुष्पों से भगवान विष्णु का पूजन करते हैं, उन्हें मुक्ति मिलती है।
- जो मनुष्य सफेद या लाल कनेर के फूलों से भगवान का पूजन करते हैं, उन पर भगवान अत्यंत प्रसन्न होते हैं।
- जो मनुष्य भगवान विष्णु पर आम की मंजरी चढ़ाते हैं, वे करोड़ों गायों के दान का फल पाते हैं।
- जो मनुष्य दूब के अंकुरों से भगवान की पूजा करते हैं, वे 100 गुना पूजा का फल ग्रहण करते हैं।
- जो मनुष्य विष्णु भगवान को चंपा के फूलों से पूजते हैं, वे फिर संसार में नहीं आते।
- पीले रक्त वर्ण के कमल पुष्पों से भगवान का पूजन करने वाले को श्वेत द्वीप में स्थान मिलता है।
- जो भक्त विष्णुजी को केतकी के पुष्प चढ़ाते हैं, उनके करोड़ों जन्म के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- जो मनुष्य शमी के पत्र से भगवान की पूजा करते हैं, उनको महाघोर यमराज के मार्ग का भय नहीं रहता।
- कार्तिक मास में जो मनुष्य बिल्व पत्र से भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, वे मुक्ति को प्राप्त होते हैं।

कार्तिक मास में बरसेंगे भगवान विष्णु के आशीर्वाद, जानें तुलसी पूजा के लाभ

कार्तिक माह भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का महीना है। इस महीने में दोनों की पूजा के साथ ही तुलसी पूजा का खास महत्व होता है। माता लक्ष्मी और तुलसी की पूजा करने से भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस माह की देवउठनी ग्यारस एकादशी पर तुलसी करने का खासा महत्व है।

महाप्रसाद जननी, सर्व सौभाग्यवर्धिनी
आधि व्याधि हरा नित्यं,
तुलसी त्वं नमोस्तुते।।

- भगवान विष्णु को तुलसीजी बहुत ही प्रिय हैं। कार्तिक मास में तुलसीजी का पूजा करने से विशेष पुण्य लाभ मिलता है और जीवन से सारे दुख-संकट दूर हो जाते हैं।
- शालिग्राम के साथ तुलसीजी की पूजा ऐसा करने से अकाल मृत्यु नहीं होती है।
- कार्तिक मास में तुलसीजी की पूजा करके इसके पौधे का दान करना श्रेष्ठ माना गया है।
- कार्तिक माह में तुलसी के पौधे को हर गुरुवार को कच्चे दूध से सींचना चाहिए। इससे माता तुलसी प्रसन्न होकर आशीर्वाद देती हैं।
- कार्तिक महीने में प्रतिदिन शाम को तुलसी के पौधे के सामने दीपक जलाकर रखना चाहिए। इसे पुण्य की प्राप्ति होती है और घर में सुख शांति बनी रहती है।
- कार्तिक में ब्रह्म मुहूर्त में उठकर तुलसी को जल चढ़ाने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है।
- तुलसी की पूजा और इसके सेवन से हर तरके रोग और शोक मिट जाते हैं और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

घर की उत्तर ईशान की दीवारों का रंग ऐसा रखें

रंगों का हमारे जीवन में बहुत बहुत असर होता है। वास्तु के अनुसार ही घर के पर्दे, चादर, कपड़े और दीवारों तक का रंग होना चाहिए। यदि आप इसका ध्यान रखते हैं तो आने वाली बहुत-सी परेशानियों से बच जाएंगे। वास्तु के अनुसार घर की उत्तर और ईशान दिशा महत्वपूर्ण होती है।

उत्तर की दीवार

- घर का उत्तर का भाग जल तत्व प्रधान होता है। इसे धन और लक्ष्मी का स्थान भी कहा जाता है अत: इस स्थान को स्वच्छ, पवित्र और खाली रखना चाहिए।
- वास्तु के अनुसार इसकी साज-सजा में हल्के हरे रंग या पिस्ता हरे रंग का प्रयोग किया जाना चाहिए। हालांकि आप आसमानी रंग का प्रयोग भी कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होता है।
- यदि यहां अन्य किसी भी प्रकार के गहरे रंगों का प्रयोग किया तो आर्थिक हानि तो होगी ही, साथ ही अन्य परेशानियां भी खड़ी हो सकती हैं। यह दिशा हवा से जुड़ी है।

उत्तर-पूर्व अर्थात ईशन की दीवार

- उत्तर-पूर्व को ईशान कोण कहते हैं। इस दिशा में देवता निवास करते हैं। यह भगवान शिव की दिशा भी मानी जाती है। इस दिशा में आकाश ज्यादा खुला होता है।
- इस दिशा की दीवार का रंग आसमानी, सफेद या हल्के बैंगनी रंग का होना चाहिए। हालांकि इसमें पीले रंग का प्रयोग इसलिए करना चाहिए, क्योंकि यह देवी और देवताओं का स्थान होता है।

आखिर ऋषियों की संख्या 7 ही क्यों हैं? जानिए हर काल के 7 ऋषि कौन हैं

भारतीय ऋषियों और मुनियों ने ही इस धरती पर धर्म, समाज, नगर, ज्ञान, विज्ञान, खगोल, ज्योतिष, वास्तु, योग आदि ज्ञान का प्रचार-प्रसार किया था। दुनिया के सभी धर्म और विज्ञान के हर क्षेत्र को भारतीय ऋषियों का ऋणी होना चाहिए। उनके योगदान को याद किया जाना चाहिए। उन्होंने मानव मात्र के लिए ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षी, समुद्र, नदी, पहाड़ और वृक्षों सभी के बारे में सोचा और सभी के सुरक्षित जीवन के लिए कार्य किया।

।।सप्त ब्रह्मर्षि, देवर्षि, महर्षि, परमर्षय:।
कण्डर्षिश्च, श्रुतर्षिश्च, राजर्षिश्च क्रमावश:।।

अर्थात - 1. ब्रह्मर्षि, 2. देवर्षि, 3. महर्षि, 4. परमर्षि, 5. काण्डर्षि, 6. श्रुतर्षि और 7. राजर्षि- ये 7 प्रकार के ऋषि होते हैं इसलिए इन्हें सप्तर्षि कहते हैं।

सप्तऋषि तारा मंडल

आकाश में 7 तारों का एक मंडल नजर आता है। उन्हें सप्तर्षियों का मंडल कहा जाता है। इसके अतिरिक्त सप्तर्षि से उन 7 तारों का बोध होता है, जो ध्रुव तारे की परिक्रमा करते हैं। उक्त मंडल के तारों के नाम भारत के महान 7 संतों के आधार पर ही रखे गए हैं। वेदों में उक्त मंडल की स्थिति, गति, दूरी और विस्तार की विस्तृत चर्चा मिलती है।

भारत में ऋषियों और गुरु-शिष्य की लंबी परंपरा रही है। ब्रह्मा के पुत्र भी ऋषि थे तो भगवान शिव के शिष्यगण भी ऋषि ही थे। प्रथम मनु स्वायंभुव मनु से लेकर बौद्धकाल तक ऋषि परंपरा के बारे में जानकारी मिलती है। हिन्दू पुराणों ने काल को मन्वंतरों में विभाजित कर प्रत्येक मन्वंतर में हुए ऋषियों के ज्ञान और उनके योगदान को परिभाषित किया है। प्रत्येक मन्वंतर में प्रमुख रूप से 7 प्रमुख ऋषि हुए हैं। विष्णु पुराण के अनुसार इनकी नामावली इस प्रकार है-

- प्रथम स्वायंभुव मन्वंतर में- मरीचि, अत्रि, अंगिरा, पुलस्त्य, पुलह, क्रतु और वशिष्ठ।
- द्वितीय स्वारोचिष मन्वंतर में- ऊर्ज्ज, स्तम्भ, वात, प्राण, पृषभ, निरय और परीवान।
- तृतीय उत्तम मन्वंतर में- महर्षि वशिष्ठ के सातों पुत्र।
- चतुर्थ तामस मन्वंतर में- ज्योतिर्धामा, पृथु, काव्य, चैत्र, अग्नि, वनक और पीवर।
- पंचम रैवत मन्वंतर में- हिरण्यरोमा, वेदश्री, ऊर्ध्वबाहु, वेदबाहु, सुधामा, पर्जन्य और महामुनि।
- षष्ठ चाक्षुष मन्वंतर में- सुमेधा, विरजा, हविष्मान, उतम, मधु, अतिनामा और सहिष्णु।
- वर्तमान सप्तम वैवस्वत मन्वंतर में- कश्यप, अत्रि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, गौतम, जमदग्नि और भारद्वाज।

भविष्य में

- अष्टम सावर्णिक मन्वंतर में- गालव, दीप्तिमान, परशुराम, अश्वत्थामा, कृप, ऋष्यश्रृंग और व्यास।
- नवम दक्षसावर्णि मन्वंतर में- मेधातिथि, वसु, सत्य, ज्योतिष्मान, द्युतिमान, सबन और भव्य।
- दशम ब्रह्मसावर्णि मन्वंतर में- तपोमूर्ति, हविष्मान, सुकृत, सत्य, नाभाग, अप्रतिमौजा और सत्यकेतु।
- एकादश धर्मसावर्णि मन्वंतर में- वपुष्मान, घृणि, आरुणि, निऽस्वर, हविष्मान, अनघ और अग्नितेजा।
- द्वादश रुद्रसावर्णि मन्वंतर में- तपोद्युति, तपस्वी, सुतपा, तपोमूर्ति, तपोनिधि, तपोरति और तपोधृति।
- त्रयोदश देवसावर्णि मन्वंतर में- धृतिमान, अव्यय, तत्वदर्शी, निरुत्सुक, निर्मोह, सुतपा और निष्प्रकम्प।
- चतुर्दश इन्द्रसावर्णि मन्वंतर में- अग्नीध्र, अग्नि, बाहु, शुचि, युक्त, मागध, शुक्र और अजित।
- इन ऋषियों में से कुछ कल्पान्त-चिरजीवी, मुक्तात्मा और दिव्यदेहधारी हैं।

शतपथ ब्राह्मण के अनुसार

1. गौतम, 2. भारद्वाज, 3. विश्वामित्र, 4. जमदग्नि 5. वसिष्ठ, 6. कश्यप और 7. अत्रि।

महाभारत के अनुसार

1. मरीचि, 2 . अत्रि, 3. अंगिरा, 4. पुलह, 5. क्रतु, 6. पुलस्त्य और 7. वसिष्ठ सप्तर्षि माने गए हैं।

- महाभारत में राजधर्म और धर्म के प्राचीन आचार्यों के नाम इस प्रकार हैं- बृहस्पति, विशालाक्ष (शिव), शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज और गौरशिरस मुनि।
- कौटिल्य के अर्थशास्त्र में इनकी सूची इस प्रकार है- मनु, बृहस्पति, उशनस (शुक्र), भरद्वाज, विशालाक्ष (शिव), पराशर, पिशुन, कौणपदंत, वातव्याधि और बहुदंती पुत्र।
- वैवस्वत मन्वंतर में वशिष्ठ ऋषि हुए। उस मन्वंतर में उन्हें ब्रह्मर्षि की उपाधि मिली। वशिष्ठजी ने गृहस्थाश्रम की पालना करते हुए ब्रह्माजी के मार्गदर्शन में उन्होंने सृष्टि वर्धन, रक्षा, यज्ञ आदि से संसार को दिशाबोध दिया।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूक्रेन के पास रूसी सेना के 'फायरिंग रेंज' में गोलीबारी से 11 की मौत, 15 घायल

मास्को। यूक्रेन के पास रूसी सैन्य ''फायरिंग रेंज'' में दो लोगों ने सैनिकों पर गोलीबारी की, जिसमें 11 लोग मारे गए और 15 घायल हो गए। रूसी रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि यह गोलीबारी शनिवार को दक्षिण-पश्चिमी रूस के बेलगोरोद क्षेत्र में हुई जो यूक्रेन की सीमा से लगता है। इस बयान के अनुसार, पूर्व सोवियत गणराज्य के दो अज्ञात लोगों ने लक्ष्य अभ्यास के दौरान स्वयंसेवी सैनिकों पर गोलीबारी की और जवाबी कार्रवाई में दोनों मारे गए। मंत्रालय ने इस घटना को आतंकवादी हमला बताया। यह गोलीबारी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन में रूसी सेना को मजबूत करने के लिए सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त आम नागरिकों की जल्द तैनाती किए जाने के आदेश के बीच हुई। राष्ट्रपति के इस आदेश के विरोध में रूस भर में प्रदर्शन शुरू हो गए और हजारों की संख्या में लोग देश छोड़ कर अन्यत्र चले गए। पुतिन ने शुक्रवार को कहा कि 2,22,000 से 3,00,000 सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त नागरिकों की सेना में तैनाती संबंधी आदेश पर अमल शुरू किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इनमें से 33,000 पहले ही सैन्य इकाइयों में शामिल हो चुके हैं जबकि 16,000 यूक्रेन में जारी सैन्य अभियान का हिस्सा बन चुके हैं। पुतिन द्वारा सितंबर में जारी इस आदेश के तहत 65 वर्ष से कम आयु के लगभग सभी पुरुष सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त नागरिकों के रूप में पंजीकृत हैं। इस फैसले पर आम जनता में नकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली थी। राष्ट्रपति के इस आदेश के बाद हजारों लोग रूस छोड़कर पड़ोसी देशों में पलायन करने लगे। पूर्वी यूरोपीय देश यूक्रेन में फरवरी में रूस के हमले शुरू होने के बाद से दोनों ही देशों को गहरी सैन्य और नागरिक क्षति उठानी पड़ी है।

हिजाब को लेकर आक्रमक हुई ईरान की जनता, सारे मुल्ला भाग जाओ के लगे नारे

तेहरान । ईरान में 22 वर्षीय युवती महसा अमिनी की मौत के बाद से हिजाब को विरोध प्रदर्शन ने आक्रमक रूप ले लिया है। आक्रोश की आग पिछले 5 हफ्ते से धधक रही है। वहीं सरकार इस विरोध प्रदर्शन को दबाने के लिए तरह-तरह की कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में सरकार ने इंटरनेट बंद कर दिया है, जिसके चलते गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने शनिवार को फिर से सड़कों पर उतरकर जमकर प्रदर्शन किया। बता दें कि महसा अमिनी की 16 सितंबर को पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी, जिसे बाद से पूरे ईरान में विरोध प्रदर्शन का दौर जारी है। देश में वर्षों से देखे जा रहे सड़क विरोधों की सबसे बड़ी लहर में युवा महिलाएं सबसे आगे रही हैं। प्रदर्शन कर रहीं महिलाओं ने तेहरान के शरीयती टेक्नोलॉजी और बिजनेस कॉलेज में आयोजित एक सभा का वीडियो शेयर किया है। वीडियो में महिलाएं जमकर नारेबाजी कर रही हैं। वीडियो में गन, टैंक और 'मुल्लाओं भाग जाओ' जैसे नारे लगा रही हैं। ऑनलाइन मॉनिटर नेटब्लॉक्स द्वारा इंटरनेट ट्रैफ़िक में एक बड़ा व्यवधान कहे जाने के बाद भी ट्विटर पर वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें प्रदर्शनकारी उत्तर-पश्चिमी शहर अर्दबील की सड़कों पर भी नजर आ रहे हैं। वहीं विरोध और पुलिस उल्लंघन पर नजर रखने वाले 1500 तस्वीर सोशल मीडिया चैनल ने कहा कि अमिनी के होम टाउन कुर्दिस्तान प्रांत के साकेज और पश्चिम अजरबैजान के इलाकों में शनिवार को दुकानदारों ने प्रदर्शन का समर्थन करते हुए अपनी दुकानों को बंद रखा। अमेरिका स्थित अधिकार निगरानीकर्ता 'एचआरएएनए' के अनुसार, 17 सितंबर को ईरान में शुरू हुए प्रदर्शनों के बाद से कम से कम 233 प्रदर्शनकारी मारे गए हैं। समूह ने कहा कि मृतकों में 32 की उम्र 18 वर्ष से कम थी। इससे पहले ओस्लो स्थित 'ईरान ह्यूमन राइट्स' का अनुमान है कि 201 लोग मारे गए हैं।

चीन में फिर बढ़ने लगे कोरोना संक्र?मित, रोज हजारों केस

- चीन के कई प्रांतों में सख्त पांबदियां लागू, नई ट्रैवल गाइडलाइन भी जारी

बीजिंग । चीन में कोरोना के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगे हैं। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए चीन के कई प्रांतों में सख्त प्रतिबंध लागू हो गए हैं। नई ट्रैवल गाइडलाइन भी जारी की गई है। इस बीच अधिकारियों ने रविवार को बताया कि चीन में 15 अक्टूबर की तुलना में कम मामले देखे गए। पिछले दिन 1,364 मामलों की तुलना में 15 अक्टूबर को 1,026 नए कोरोना के मामले दर्ज किए गए है। चीन में लक्षण वाले और बिना लक्षण वाले दोनों तरह के मामलों में इजाफा हो रहा है। नेशनल हेल्थ कमीशन ने अपनी दैनिक रिपोर्ट में बताया कि 244 मरीजों में कोरोना के लक्षण पाए गए है वहीं 782 मरीजों में कोरोना के कोई भी लक्षण नहीं दिखे हैं। दुनिया भर के देश जहां कोरोना और लाकडाउन से आगे बढ़ चुके हैं। वहीं चीन एक बार फिर अपनी जीरो कोरोना पालिसी को लेकर सख्त हो गया है। सोमवार को कोरोना वायरस के प्रसार को देखते हुए नार्थ चीन के फेन्यांग शहर में भी सख्त प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके अलावा एक अन्य शहर होहोट में बाहर से आने वाले लोगों और वाहनों पर पाबंदी लगा दी गई है। चीन में सार्वजनिक पार्कों, शापिंग माल और सार्वजनिक स्थानों पर प्रवेश के लिए कोरोना की निगेटिव रिपोर्ट देना अनिवार्य कर दिया गया है। चीन के किसी भी सार्वजनिक स्थानों में प्रवेश के लिए 72 घंटे पहले कोरोना की निगेटिव रिपोर्ट होना अनिवार्य है।

तुर्की में कोयला खदान में विस्फोट, 25 लोगों की मौत, कई फंसे

उत्तरी तुर्किये में एक कोयला खदान में विस्फोट से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई, जबकि बचावकर्ता वहां फंसे अन्य लोगों को बाहर निकालने के लिए रातभर काम में जुटे रहे। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह विस्फोट शुक्रवार शाम छह बजकर 45 मिनट पर काला सागर के तटीय प्रांत बार्टिन के अमासरा शहर में सरकारी 'टीटीके अमासरा म्यूस्सेसे मुदुर्लुगु' खदान में हुआ। ऊर्जा मंत्री फातेह डोनमेज ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि विस्फोट कोयला खदानों में पाई जाने वाले ज्वलनशील गैसों के कारण हुआ। वहीं, गृह मंत्री सुलेमान सोयलु ने पत्रकारों को बताया कि विस्फोट के वक्त खदान में 110 लोग मौजूद थे। सोयलु बचाव अभियान के साथ समन्वय करने के लिए अमासरा गए। उन्होंने बताया कि विस्फोट के बाद ज्यादातर श्रमिकों को बचा लिया गया, लेकिन 49 मजदूर खदान के उच्च जोखिम वाले क्षेत्र में फंस गए। हालांकि, सोयलु ने अभी यह नहीं स्पष्ट किया कि खदान में कुल कितने लोग फंसे हुए हैं। उन्होंने बताया कि करीब 49 श्रमिकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। बार्टिन के गवर्नर कार्यालय ने बताया कि विस्फोट में 25 लोगों की मौत हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री फहरेत्तिन कोका ने कम से कम 17 लोगों के घायल होने की जानकारी दी है, जिनमें से आठ का गहन चिकित्सा इकाइयों (आईसीयू) में इलाज चल रहा है। तुर्किये की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि घटनास्थल पर कई बचाव दलों को भेजा गया है। राष्ट्रपति रज्जब तैय्यब एर्दोआन ने दक्षिण-पूर्वी शहर दियाबाकिर की अपनी नियोजित यात्रा रद्द कर दी है। उन्होंने कहा कि वह बचाव अभियान का जायजा लेने अमासरा जाएंगे और तीन अभियोजकों को घटना की जांच का जिम्मा सौंपा गया है।

काठमांडू में दो दिवसीय नेपाल-भारत साहित्य महोत्सव का आगाज

नेपाल में पहली बार आयोजित वार्षिक कलिंग साहित्य महोत्सव शनिवार को शुरू हो गया, जिसमें भारत और नेपाल के 200 से अधिक प्रसिद्ध लेखक और सांस्कृतिक हस्तियां हिस्सा ले रही हैं। भारत और नेपाल- सभ्यताओं की यात्रा और आत्मा की खोज विषय के साथ दो दिवसीय साहित्यिक उत्सव के 2022

संस्करण का उद्घाटन संयुक्त रूप से नेपाल अकादमी के कुलपति जगमन गुरुंग, प्रसिद्ध साहित्यकार तुलसी दिवस और दिग्गज भारतीय कवि अशोक वाजपेयी ने किया। इस महोत्सव का उद्देश्य दो पड़ोसी देशों के बीच सांस्कृतिक और साहित्यिक दृष्टिकोण को मजबूत करना और उसे बढ़ावा देना है। कला, साहित्य, संस्कृति और मीडिया की दुनिया से जुड़ी भारत की प्रतिष्ठित हस्तियों सहित नेपाल के 30 से अधिक प्रसिद्ध लेखक और सांस्कृतिक हस्तियां इस महोत्सव में हिस्सा ले रही हैं। कलिंग साहित्य महोत्सव का पहला संस्करण भुवनेश्वर में आयोजित किया गया था। यह पहली बार है जब नेपाल में इस वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि गुरुंग ने कहा, नेपाल भारत का ह्रदय है और भारत नेपाल का मस्तिष्क है जो भौगोलिक सीमाओं के बावजूद दोनों देशों के बीच लोगों से लोगों के बीच मजबूत संबंधों का प्रतीक है।

यूनान में आई बाढ़ के कारण क्षतिग्रसत हुई कारें बहकर समुद्र में पहुंच गयीं।

हांगकांग पर कर लिय नियंत्रण, ताइवान पर हैं सख्त : शी जिनपिंग

बीजिंग । चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने रवि को 20 वीं कम्युनिस्ट पार्टी कांग्रेस को बताया कि हांगकांग पर परा नियंत्रण हासिल कर लिया है और के अराजनक शासन को खत्म कर दिया है। राष्ट्रप जिनपिंग ने कहा कि चीन ने ताइवान में अलगावव खिलाफ कड़ा संघर्ष किया है और क्षेत्रीय अखंडता विरोध को रोकने में सक्षम है। हांगकांग पर कार्रवाइ साथ ही शी जिनपिंग ने ताइवान के खिलाफ सैन्य आक्रामकता का भी बचाव किया। उन्होंने कहा कि सुनिश्चित करने के लिए देश की गरिमा और मूल हि रक्षा की गई। उन्होंने कहा कि हांगकांग में उथल-पुथ स्थिति में केंद्र सरकार ने अपने पूरे अधिकार क्षेत्र क इस्तेमाल किया। यह चीन के संविधान और हांगका विशेष प्रशासनिक क्षेत्र के मूल कानून से निर्धारित प्रशासनिक क्षेत्र के आधार पर हुआ। राष्ट्रपति जिन कहा कि यह सुनिश्चित किया गया कि ऑर्डर बहाल के बाद हांगकांग में देशभक्तों का शासन हो। उन्होंने कि ताइवान की स्वतंत्रता के उद्देश्य से अलगाववाद गतिविधियां और इस जुड़े मामलों में बाहरी हस्तक्षेप को मिला। इसके जवाब में हमने अलगाववाद के वि दृढ़ता से लड़ाई लड़ी है और जमकर मुकाबला कि हम चीन की संप्रभुता की रक्षा करने और ताइवान स्वतंत्रता का विरोध करने के वादे पर अड़े हुए हैं।

किसी के नियंत्रण में काम नहीं करती ईडी, खुद लेती है अपने फैसले: निर्मला सीतारमण

वाशिंगटन (एजेंसी)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इस समय अमेरिका के दौरे हैं। उन्होंने यहां वाशिंगटन डीसी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने विरोधियों के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसियों खासकर प्रवर्तन निदेशालय के दुरुपयोग के बारे में पूछे जाने पर कहा ईडी जो करती है, उसमें वह पूरी तरह से स्वतंत्र है। यह एक ऐसी एजेंसी है, जो गंभीर अपराधों पर नजर रखती है।

जी20 और इसकी प्राथमिकताओं के बारे में पूछे जाने पर निर्मला सीतारमण ने कहा, हमने कई जी-20 सदस्यों के साथ द्विपक्षीय चर्चा की है। हम ऐसे समय में इस बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं जब बहुत सारी चुनौतियां हैं। हमें अन्य सदस्यों के साथ मिलकर काम करना होगा, यह देखने के लिए कि हम सभी चीजों को कैसे सर्वोत्तम तरीके से नेविगेट कर सकते हैं।

बिजली उत्पादन के लिए कोयले पर भारत की अत्यधिक निर्भरता के मुद्दे उन्होंने कहा कि पश्चिमी दुनिया ने देशों को कोयले की ओर बढ़ते देखा है, ऑस्ट्रिया पहले ऐसा ही कह चुका है। यूके में, सबसे पुरानी थर्मल इकाइयों में से एक फिर से वापस आ गई है। यह सिर्फ भारत नहीं है, कई देशों को ऊर्जा उत्पादन के लिए कोयले की ओर वापस जाना पड़ा है, क्योंकि गैस का खर्च वहन नहीं किया जा सकता है या उपलब्ध नहीं है।

इससे एक दिन पहले अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की वार्षिक बैठक के दौरान केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि अनिश्चितता भरी दुनिया में भारत असाधारण प्रदर्शन करने वाले देशों में से एक है। उनका यह बयान आईएमएफ के उस बयान के एक दिन बाद आया है, जिसमें कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में भारत एक उज्ज्वल स्थान पर है।

सीतारमण ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा वित्त समिति को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने चालू वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर साल-दर-साल आधार पर 13.5 प्रतिशत रखी है, जो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि वैश्विक बाधाओं के बावजूद आईएमएफ का अनुमान है कि भारत 2022 और 2023 दोनों में 6 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि के साथ एकमात्र बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वित्तमंत्री ने अनिश्चित भू-राजनीतिक संकट पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा तनावपूर्ण और अनिश्चित भू-राजनीतिक संकट सर्दियों में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में नई चिंताओं को पैदा कर सकता है और विकसित अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति नियंत्रण एक प्रमुख चिंता का विषय होगा।

जयशंकर के मुरीद हुए इमरान ख

कहा- आप अपनी इज्जत करेंगे तो दूसरें

कराची (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के सत्ता से बाहर होने के बाद से वह लगातार भारत की विदेश नीति की तारीफ करते रहे है। रैली हो या इंटरव्यू, वह भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की खुलकर तारीफ करते नजर आते हैं। इमरान ने एक बार फिर रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत के रुख की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि भले ही वह (एस जयशंकर) भारत के मंत्री हैं लेकिन मैं उनकी प्रशंसा करता हूं। इमरान ने मौजूदा शाहबाज सरकार पर अमेरिका के साथ मिलकर उनकी सरकार के खिलाफ साजिश करने का आरोप लगाया है। यूरोप में आठ महीने से चल रहे इस युद्ध को लेकर भारत तटस्थ नीति पर चल रहा है मंचों पर भारत ने युद्ध अ की निंदा पर जोर दिया है।

इमरान खान ने एक व भारतीय विदेश नीति की करते हुए कहा कि भारत क कि हम रूस से सस्ता तेल रहे हैं। आपको क्या लगत उन्होंने (अमेरिका ने) भ साथ संबंध क्यों तोड़ दि भारत का सम्मान करते हैं तरह से उनके विदेश मंत्री सामने बात की, हालांकि के मंत्री हैं, लेकिन मैं उनक करता हूं। इमरान ने कहा आप खुद की इज्जत करेंगे आपकी इज्जत करेंगे। ज उसके सामने लेटते हो, तो और गिरा देता है।'

मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति में यूक्रेनी सैनिकों पर परमाणु हथियारों का प्रयोग नहीं करेगा रूस

मॉस्को (एजेंसी)।

रूस और यूक्रेन के बीच पिछले आठ माह से युद्ध चल रहा है। इस दौरान, रूसी राष्ट्रपति कई बार परमाणु हथियार इस्तेमाल करने की धमकियां दे चुके हैं। मौजूदा समय में इस मुद्दे पर तनाव अपने चरम पर है। एक रिपोर्ट में उन तीन संभवनाओं के प्रति आशंका जताई गई है, जब रूस अपने परमाणु हथियारों का प्रयोग कर सकता है। इनमें सबसे कम संभावनाएं दुश्मन पर परमाणु हथियार से सीधे हमले की हैं। रूस नाटो और पश्चिमी देशों को अपने खिलाफ जवाबी कार्रवाई के लिए उकसाने की गलती नहीं करेगा। इसलिए इस विकल्प पर ज्यादा गौर करने की जरूरत नहीं है। कुछ दिनों पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी स्वीकार किया था कि क्यूबा मिसाइल संकट के बाद से परमाणु हमले की संभावनाएं वर्तमान में सबसे ज्यादा हैं। रूस के परमाणु हथियार इस्तेमाल करने की पहली संभावना यूक्रेन में किसी सैन्य ठिकाने पर परमाणु हथियार से सीधे हमले की है। लेकिन इस हमले की संभावना सबसे कम है। बिखरे हुए यूक्रेनी बलों पर यह हमला न सिर्फ अपेक्षाकृत कम प्रभावी होगा बल्कि यह अमेरिका और नाटो को तत्काल और एक महत्वपूर्ण जवाबी हमले के लिए उकसा सकता है। परमाणु हमले के बाद तबाही के खतरे बेहद गंभीर और पूरी तरह स्पष्ट हैं। रूस के परमाणु हथियार इस्तेमाल करने की दूसरी संभावना अंतरराष्ट्रीय जल में काला सागर पर इसका प्रदर्शन है। हालांकि यह भी तमाम जोखिमों से भरा है, लेकिन यह नाटो को जवाबी कार्रवाई के लिए ट्रिगर नहीं करेगा और युद्ध में संभावित वृद्धि को रोक सकता है। पुतिन की तरफ से परमाणु हथियार के इस्तेमाल की तीसरी संभावना रूसी धरती एक परमाणु परीक्षण की है और इसकी संभावनाएं सबसे ज्यादा हैं। अगर पुतिन ऐसा करते हैं तो यह वायुमंडलीय परीक्षण को लेकर परीक्षण प्रतिबंध संधि का उल्लंघन होगा लेकिन इससे नाटो की ओर से सैन्य प्रतिक्रिया की संभावना नहीं है।

'ब्रिटेन में हिंदुओं को डर लगता है', पीएम लिज ट्र को पत्र लिखकर 180 हिंदू संगठनों की ये 6 अपी

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन में बड़ी संख्या में भारतीय हिंदू संगठनों और मंदिरों ने प्रधानमंत्री लिज ट्रस को पत्र लिखा है जिसमें अपने डर का जिक्र किया है। इन संगठनों की कुल संख्या 180 बताई गई है। इस पत्र में उन्होंने लिटस्टर हिंसा की जांच की मांग की है। इसके साथ ही उनकी रक्षा करने का अनुरोध भी किया है। इन हिन्दू संगठनों ने बताया कि उन्हें टारगेट किया जा रहा है। लिसेस्टर और बर्मिंघम में हिंसा के बाद से ही ब्रिटेन में ये खतरा महसूस हो रहा है। पत्र लिखने वालों ने प्रधानमंत्री ट्रस से छह अपील की हैं।

ब्रिटिश पीएम को लिखे पत्र में अपील की गई कि हम आपका ध्यान बर्मिंघम, लेस्टर सहित पिछले दिनों हुई हिंसा की तरफ आकर्षित करना चाहते हैं। इन जगहों में हिंसा में भारतीय और हिंदू समुदायों को काफी परेशान किया जा रहा है। इन हिंसा वाले इलाकों में हिंदू समुदायों के प्रति नफरत चरम

पर है। हिंदुओं पर शारिरीक हमले, सोशल मीडिया पर उत्पीड़न, स्कूलों और वर्कप्लेस में सॉफ्ट टारगेटिंग के जरिए खुली हिंसा, धमकी और दुर्व्यवहार किया गया है। लिज ट्रस को लिखे पत्र में कहा गया कि हिंदू समुदाय ने करीब आधी सदी से ब्रिटेन को अपना घर बना रखा है। हम आबादी में दो फीसदी से भी कम हैं। फिर भी हमारा योगदान अहम है। साथ ही भारतीय यहां पर कानूनों का पालन भी पूरी तरह से करते हैं। इसके बावजूद हम यहां पर पूरी तरह से असुरक्षित और डरा हुआ महसूस करते हैं। पत्र में कहा गय आपको लीसेस्टर में हुई हिंसा और ब एक मंदिर के बाहर आक्रामक वि साथ-साथ नॉटिंघम में हिंदू समु परेशान करने और वेम्बली में त प्रतिष्ठित सनातन मंदिर के बाहर वे प्रयासों के बारे में पता होना चाहिए। लीसेस्टर में जो हुआ उसकी वजह जटिल हैं, लेकिन ये हिंसा और ध माध्यम से एक हाशिए पर मौजूद हिंदू को निशाना बनाया गया है।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था सभी संकटों का सामना करने म सक्षम, चिंता में डालता है कुछ देशों का प्रदर्शन: बाइडेन

वाशिंगटन (एजेंसी)।

राष्ट्रपति जो बाइडेन ने विश्वास जताया है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था सभी प्रकार के संकटों का सामना करने में पूरी तरह से सक्षम है। उन्होंने वैश्विक अर्थव्यवस्था पर अमेरिका की 'मजबूत-डॉलर नीति' के प्रभाव को नकारते हुए कहा कि दुनिया के अन्य हिस्सों में आर्थिक कमजोरी विकास के लिए खतरा बनकर उभरी है।

ओरेगॉन के पोर्टलैंड में शनिवार को एक चुनावी अभियान के दौरान मीडिया से बातचीत में राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा मैं डॉलर की मजबूती के बारे में चिंतित नहीं हूं, मैं बाकी दुनिया के बारे में चिंतित हूं, जो आर्थिक मोर्चे पर हाल के दिनों में बेहतर प्रदर्शन नहीं रहा है।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत स्थिति में है। राष्ट्रपति जो बाइडेन का नवीनतम बयान इस सप्ताह की उनकी टिप्पणी के विपरीत है, जिसमें उन्होंने अमेरिका में मंदी की संभावना जताई थी। हालांकि, उन्होंने कहा था कि यदि ऐसा है, तो यह बहुत मामूली मंदी होगी। उन्होंने महंगाई के मुद्दे पर कहा मुद्रास्फीति दुनिया भर में है। समस्या अन्य देशों में आर्थिक विकास की धीमी गति और मजबूत आर्थिक नीति की कमी है। जनवरी के बाद से अन्य प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले डॉलर स्पॉट इंडेक्स में 19.5 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो 4 दशकों में सबसे तेज अमेरिकी मुद्रास्फीति का मुकाबला करने के लिए फेड द्वारा दरों में बढ़ोतरी की श्रृंखला से प्रेरित है।

राष्ट्रपति जो बाइडेन ने संकट का सामना कर रहीं ब्रिटिश प्रधानमंत्री लिज ट्रस की टैक्स कटौती के मुद्दे पर यू टर्न लेने के फैसले को एक गलती करार दिया। उन्होंने कहा 'दुनिया भर में मुद्रास्फीति' के बीच अन्य देशों की राजकोषीय नीतियां अमेरिका को नुकसान पहुंचा सकती हैं। उन्होंने कहा मैं अकेला नहीं था जिसने सोचा था कि यह एक गलती थी। मैं लिज ट्रस की नीति से असहमत हूं, लेकिन यह ग्रेट ब्रिटेन पर निर्भर है। इससे एक दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान को 'दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में से एक' के रूप में वर्णित किया था। जो बाइडेन ने यह टिप्पणी लॉस एंजिल्स (कैलिफोर्निया) में डेमोक्रेटिक कांग्रेसनल कैंपेन कमेटी के रिसेप्शन में की थी, इस दौरान उन्होंने चीन और रूस दोनों को फटकार लगाई थी। उन्होंने कहा था यह एक व्यक्ति (शी जिनपिंग) है, जो समझता है कि वह क्या चाहता है, लेकिन उसके पास समस्याओं की एक विशाल श्रृंखला है। हम इसे कैसे संभालेंगे? रूस में जो हो रहा है, हम उसको कैसे संभालेंगे? और जो मुझे लगता है, दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में से एक है पाकिस्तान, ?बिना किसी सामंजस्य के परमाणु हथियार संपन्न देश।

जो बाइडेन की इस टिप्पणी को अमेरिका के साथ संबंध सुधारने के शहबाज शरीफ सरकार के प्रयास के लिए एक झटके के रूप में देखा जा सकता है। इस कार्यक्रम में, उन्होंने कहा कि 21वीं सदी की दूसरी तिमाही में अमेरिका के

लिए गतिशीलता को बदलने के लि सारे अवसर थे। राष्ट्रपति बाइडेन टिप्पणी पर पाकिस्तान ने ऐतराज हुए इस्लामाबाद में अमेरिकी डोनाल्ड ब्लोम को तलब पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलाव ने इस मुद्दे में फिर से भारत अलापा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

सुप्रीम कोर्ट बोला- नोएडा के ध्वस्त हो चुके ट्विन टावर्स में फ्लैट खरीदने वाले 15 लोगों को दें 1 करोड़

नई दिल्ली । देश की शीर्ष अदालत ने सुपरटेक मामले में सुनवाई करते हुए कहा है कि एक करोड़ रुपये 15 होम बायर्स के लिए रिलीज किया जाए। कोर्ट ने कहा कि सुपरटेक लिमिटेड के अंतरिम रिजॉल्यूशन प्रफेशनल (आईआरपी) की ओर से डिपॉजिट किए गए रुपये बायर्स को दिए जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने 26 अगस्त को सुपरटेक की आईआरपी से कहा था कि वह एक करोड़ रुपये सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री में जमा करे, ताकि होम बायर्स को राहत दी जा सके। सुप्रीम कोर्ट को कोर्ट सलाहकार गौरव अग्रवाल ने बताया कि पैसे जमा किए जा चुके हैं और पैसे होम बायर्स को दिया जा सकता है। जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ की बेंच ने आईआरपी से कहा है कि वह 8 दिसंबर 2022 तक एक करोड़ रुपये और जमा करे। ये रकम फ्लैट बायर्स को दिए जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट उस कंटेप्ट पिटिशन पर सुनवाई कर रहा है जिसमें होम बायर्स ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल ट्विन टावर ध्वस्त करने के निर्देश के साथ-साथ फ्लैट बायर्स के रकम वापस करने को कहा था, लेकिन पैसे नहीं मिले। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली बेंच ने आईआरपी और कोर्ट सलाहकार गौरव अग्रवाल से कहा था कि वह होम बायर्स के बकाया कितने हैं, इसे पता लगाने के लिए मिलकर काम करें और सुप्रीम कोर्ट के सामने डिटेल पेश किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि शीर्ष अदालत ने होम बायर्स के प्लैट की कीमत वापस करने का जो आदेश दिया था उसे सुनिश्चित करने के लिए हम आईआरपी को निर्देश देते हैं कि एक करोड़ रुपये रजिस्ट्री में जमा किए जाए। सुप्रीम कोर्ट कंटेप्ट पिटिशन पर सुनवाई कर रही है जिसमें होम बायर्स ने कहा है कि सुपरटेक ने उनके फ्लैट के पैसे वापस नहीं किए जबकि कोर्ट ने इस मामले में 31 अगस्त 2021 को आदेश पारित किया था। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल सुपरटेक के ट्विन टावर ध्वस्त करने के आदेश दिए थे और जिन लोगों का उसमें फ्लैट था उसे पैसे रिफंड करने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा स्थित सुपरटेक के एमरॉल्ड कोर्ट प्रोजेक्ट के 40 फ्लोर के ट्विन टावर (टी-16 और टी-17) को अवैध करार देते हुए गिराने का आदेश दिया था। हाई कोर्ट के फैसले को बिल्डर कंपनी सुपरटेक लिमिटेड ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट के आदेश से ट्विन टावर को ध्वस्त किया जा चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि ट्विन टावर में जो भी फ्लैट बॉयर्स हैं उन्हें 2 महीने के भीतर उनके पैसे रिफंड किए जाएं। साथ ही उस रकम का 12 फीसदी ब्याज का भी भुगतान किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने साथ ही बिल्डर को निर्देश दिया है कि वह एमरॉल्ड कोर्ट ओनर रेजिडेंट्स वेलफेयर असोसिएशन को हर्जाने के तौर पर दो करोड़ रुपये का भुगतान एक महीने के भीतर करे।

तमिलनाडु के मेट्टूर बांध से अधिकारियों ने अतिरिक्त पानी छोड़ा, बाढ़ की चेतावनी

नई दिल्ली। कर्नाटक से भारी मात्रा में पानी आने के मद्देनजर तमिलनाडु स्थित मेट्टूर बांध से छोड़े जाने वाले अतिरिक्त पानी की मात्रा बढ़कर 1.10 लाख क्यूसेक तक पहुंच जाने के आसार हैं। इसके चलते कावेरी नदी के किनारे रहने वाले लोगों के लिए बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। कर्नाटक स्थित बेसिन में भारी बारिश के कारण कृष्ण राज सागर बांध और काबिनी का 85 हजार क्यूसेक अतिरिक्त पानी तमिलनाडु स्थित स्टेनली जलाशय में छोड़ा जा रहा है, जो मेट्टूर बांध के रूप में लोकप्रिय है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि मेट्टूर बांध में दो दिन पहले ही पानी का स्तर 120 फुट के पूर्ण स्तर पर पहुंच चुका है, इसलिए अतिरिक्त पानी को इसके सभी 16 फाटकों से छोड़ा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक माना जा रहा है कि छोड़े जाने वाले अतिरिक्त पानी की मात्रा बढ़कर 1.1 लाख क्यूसेक हो सकती है। अधिकारियों ने कावेरी नदी के किनारे निचले इलाकों में रहने वाले नौ जिलों के लोगों के लिए बाढ़ की चेतावनी जारी की है। कुछ लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है, लोगों को नदी के किनारे नहीं जाने की सलाह दी गई है। अधिकारियों ने कहा कि इरोड में एहतियाती उपायों के तहत नदी किनारे रहने वाले लोगों को बाढ़ राहत केंद्रों में ले जाया गया है। भवानी कस्बे से 200 परिवारों को राहत शिविरों में भेजा गया है।

हत्या से जुड़े मामले में सोशल मीडिया पर उठी कोहली को अरेस्ट करने की मांग

नई दिल्ली। टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली की सोशल मीडिया पर गिरफ्तार किए जाने की मांग उठ रही है। ऐसा पहली बार देखने को मिला, जब कोहली के खिलाफ ट्विटर पर यूजर्स द्वारा खूब भड़ास निकली हो। दरअसल, मामला एक हत्याकांड से जुड़ा है। सोशल मीडिया पर पूर्व कप्तान कोहली का नाम हैशटैग अरेस्ट कोहली के रूप में ट्विटर पर रविवार को ट्रेंड कर रहा था। हुआ ऐसा कि मौजूदा भारतीय कप्तान रोहित के एक फैन की विराट कोहली के फैन ने हत्या कर दी। दोनों युवा लड़कों के बीच कोहली और रोहित को लेकर आपसी बहस हो गई। रिपोर्ट के अनुसार हत्या करने वाले लड़के ने शराब पी हुई थी। गुस्से में आकर उसने रोहित के फैन को मौत के घाट उतार दिया। जब खबर सामने आई तो सोशल मीडिया पर कोहली को गिरफ्तार करने की मांग उठ गई। हालांकि, कई फैंस कोहली की सर्मथन में आते दिखे। यह घटना तमिलनाडु के अरियालुर जिले के पोयूर गांव में हुई। मृतक की पहचान पी विग्नेश नाम के 24 वर्षीय शर्मा प्रशंसक के रूप में हुई, जबकि गिरफ्तार कोहली समर्थक की पहचान धर्मराज के रूप में हुई, जिसकी उम्र 21 साल है। कीलापालुर पुलिस ने बयान जारी करते हुए कहा 'दोनों ने शराब का सेवन किया था। प्रारंभिक जांच के अनुसार, विग्नेश मुंबई इंडियंस का समर्थन कर रहा था, जबकि धर्मराज रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के समर्थक थे।' पुलिस ने कहा, 'बहस के दौरान, विग्नेश ने कथित तौर पर आरसीबी और विराट कोहली का मजाक उड़ाया था। विग्नेश को हकलाने वाले धर्मराज को यह बर्दाश्त नहीं हुआ। इससे धर्मराज नाराज हो गया, जिसने विग्नेश पर बोतल से हमला किया और बाद में उसके सिर पर क्रिकेट के बल्ले से प्रहार किया। धर्मराज जल्द ही मौके से फरार हो गया।'

मानसून सामान्य से ज्यादा रहने की वजह से इस बार मुंबई में डेंगू-मलेरिया के साथ 'पिंक आई' का प्रकोप भी बढ़ा

मुंबई । इस बार मानसून सामान्य से ज्यादा दिनों तक सक्रिय रहा। इसके चलते बारिश का दौर भी ज्यादा दिनों तक चलता रहा। अब इसके कुछ प्रतिकूल परिणाम सामने आने लगे हैं। डेंगू और मलेरिया के मामलों में वृद्धि के साथ ही आंखों की समस्या में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है। प्रदेश की राजधानी मुंबई में इसका सबसे ज्यादा प्रभाव देखा जा रहा है। अस्पतालों में कंजक्टिविटिस या पिंक आई या आंख आने की समस्या से ग्रसित मरीजों की संख्या पिछले कुछ सप्ताह में काफी बढ़ गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसके लिए मौसम को जिम्मेदार मान रहे हैं। बृहन्नमुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने बताया कि 2 सप्ताह से कुछ ज्यादा समय से मुंबई में आंखों में दिक्कत की समस्या बढ़ गई है। बीएमसी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मुरली देवड़ा आई हॉस्पिटल में पिछले 2 सप्ताह में पिंक आई या कंजक्टिविटिस की समस्या वाले 250 से 300 मरीजों का इलाज किया जा रहा है। नगर निगम ने आमलोगों से सावधानी बरतने और आंखों में दर्द या अन्य तरह की शिकायत होने पर तुरंत डॉक्टर के पास जाने की सलाह दी है। मुरली देवड़ा आई हॉस्पिटल की मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ वर्षा रोकड़े ने बताया कि बारिश के मौसम में जब वातावरण में आर्द्रता बढ़ती है तो कई तरह की संक्रामक बीमारियों उत्पन्न होती हैं। इस तरह के मौसम में कंजक्टिविटिस या आंख आने की समस्या भी आम हो जाती है। डॉक्टर वर्षा ने बताया कि पिंक आई की स्थिति में आंखें भर जाती हैं और वे भारी-भारी लगने लगती हैं। आंखें फूल जाती हैं और उसमें खुजलाहट भी होने लगती है। ऐसी स्थिति में आंखें रोशनी को बर्दाश्त नहीं कर पाती हैं। बीएमसी ने इस बाबत एडवायजरी जारी कर कहा है कि ऐसी हालत में आंखों को बार-बार न छुएं, आखों को दिन में बार-बार पानी से साफ करते रहें और तत्काल डॉक्टरों से सलाह लें। नगर निगम ने घरेलू इलाज न करने की भी सलाह दी है।

बिहार से भागकर मुंबई आया दो आरोपी गिरफ्तार

मुंबई,। बिहार के दो आरोपी जिनपर हत्या का मुकदमा दर्ज था वे जब भागकर मुंबई पहुंचे पुलिस ने जुहू इलाके में जाल बिछाकर उन्हें हिरासत में ले लिया. आरोपी के नाम सनत कुमार जयकुमार सिंह उर्फ शुभम सिंह (22) और सोनू कुमार विनय भारती उर्फ शुभम गिरी (20) बताया गया है। पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार आरोपियों के खिलाफ बिहार के औरंगाबाद जिले के अंबा पुलिस थाने में मामला दर्ज है और पुलिस उनकी तलाश कर रही थी. पुलिस को सूचना मिली कि ये दोनों आरोपी मुंबई जा रहे हैं। उसके बाद मिली जानकारी के आधार पर दोनों आरोपियों शुभम सिंह (22) और शुभम गिरी (20) को मुंबई पुलिस की मदद से बिहार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया.

पंच परमेश्वर सम्मेलन में बोले जेपी नड्डा

केजरीवाल ने दिल्ली को किया बेहाल, अब तुम्हे जाना होगा, बीजेपी को यहां आना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिल्ली के रामलीला मैदान से पंच परमेश्वर सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जो राजनीतिक पार्टियां इतनी बड़ी संख्या में जनसभा नहीं कर पाती हैं, उतनी हमारे यहां कार्यकर्ताओं का सम्मेलन हो जाता है। बड़े राजनीतिक दल का दावा करने वाली पार्टियां रामलीला मैदान में जनसभा नहीं कर पाती और बीजेपी का कार्यकर्ता सम्मेलन यहां होता है। हमारी उत्पत्ति 1950 के दशक में हुई। सारी पार्टियों के आचार, विचार, तौर-तरीके और सोच बदल गई, समाजवादी समाजवादी नहीं रहे, कम्युनिस्ट कम्युनिस्ट नहीं रहे और इंडियन नेशनल कांग्रेस ना इंडियन ना नेशनल ना ही कांग्रेस रह गई, बस भाई बहन की पार्टी बन गई।

नड्डा ने कहा कि आयुष्मान भारत के अंतर्गत हमने गरीबों को पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा सुनिश्चित किया है। देश भर में करोड़ों गरीबों को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड दिया गया है। लेकिन दुख के साथ कहना पड़ता है कि दिल्ली में केजरीवाल ने गरीबों को आयुष्मान भारत योजना से वंचित रखा है। ऐसी हैं केजरीवाल सरकार की क्रांतिकारी नीतियां, जिसे जनता को ध्यान में रखना चाहिए। केजरीवाल सरकार ने दिल्ली में घोटाले पर घोटाला किया है। आज केजरीवाल सरकार, घोटालों की सरकार बन गई है। केजरीवाल तुमने दिल्ली को किया बेहाल, अब तुम्हे दिल्ली से जाना होगा, भाजपा को यहां आना होगा।

सेवा भाव, संतुलन, संयम, समन्वय, सकारात्मक, सद्भावना और संवाद के आधार पर भाजपा का कार्यकर्ता समाज की सेवा कर रहा है। हम वो पार्टी हैं जो गांव, गरीब, दलित, वंचित, शोषित, महिला, युवा, किसान को मजबूती प्रदान कर रही है। भाजपा में आज लोक सभा में 302 एमपी हैं। राज्य सभा में 92 एमपी हैं, हमारे 1,395 विधायक हैं। देश के 18 राज्यों में एनडीए की सरकार है, जिसमें 12 में पूर्ण बहुमत से भाजपा सरकार है। भाजपा एक वैचारिक पार्टी है, कैडर बेस पार्टी है। हमने कहा पंच परमेश्वर, हर बूथ से पांच कार्यकर्ता आएगा तो ये हमारा पंच परमेश्वर सम्मेलन हो जाता है। जब हम कहते हैं बूथ समिति तो यही संख्या पांच लाख हो जाती है। ये ताकत अगर किसी में है तो वो भाजपा में है। जेपी नड्डा ने कहा कि जो राजनीतिक पार्टियां इतनी बड़ी संख्या में जनसभा नहीं कर पाती हैं, उतनी तो हमारे यहां कार्यकर्ताओं का सम्मेलन हो जाता है। अपने आप को बड़े राजनीतिक दल का दावा करने वाली पार्टियां भी रामलीला मैदान में जनसभा नहीं कर पाती हैं, वहीं भाजपा का कार्यकर्ता सम्मेलन इस मैदान में होता है।

सीबीआई के समन पर केजरीवाल ने कहा- सिसोदिया, जैन आज के भगत सिंह हैं

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा समन जारी किये जाने पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को केंद्र के खिलाफ अपनी सरकार की लड़ाई को 'दूसरा स्वतंत्रता संघर्ष' बताया और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया तथा सत्येंद्र जैन की तुलना शहीद भगत सिंह से की। केजरीवाल ने यह भी कहा कि करोड़ों लोगों की दुआएं उनके साथ हैं। उनकी यह टिप्पणी अब रद्द की जा चुकी आबकारी नीति को तैयार करने और उसके क्रियान्वयन में कथित भ्रष्टाचार के सिलिसले में सीबीआई द्वारा उपमुख्यमंत्री सिसोदिया को सोमवार को पूछताछ के लिए तलब किये जाने के बाद आई है। जांच एजेंसी ने आप नेता को सोमवार को पूर्वाह्न 11 बजे यहां सीबीआई मुख्यालय में उपस्थित होने को कहा है। केजरीवाल ने एक ट्वीट में कहा, ''जेल की सलाखें और फाँसी का फंदा भगत सिंह के बुलंद इरादों को डिगा नहीं पाये। यह आज़ादी की दूसरी लड़ाई है। मनीष (सिसोदिया) और सत्येंद्र (जैन) आज के भगत सिंह हैं। 75 साल बाद देश को एक ऐसा शिक्षा मंत्री मिला, जिसने ग़रीबों को अच्छी शिक्षा देकर सुनहरे भविष्य की उम्मीद जगाई। करोड़ों ग़रीबों की दुआएँ इनके साथ हैं।'' इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सिसोदिया ने कहा कि वह पूछताछ के दौरान पूरा सहयोग करेंगे। सिसोदिया ने एक ट्वीट में कहा, ''मेरे घर पर सीबीआई ने 14 घंटे तलाशी ली, लेकिन कुछ नहीं मिला। मेरे बैंक लॉकर की तलाशी ली गई, उसमें कुछ नहीं मिला। मेरे गाँव में इन्हें कुछ नहीं मिला। अब इन्होंने कल (पूर्वाह्न) 11 बजे मुझे सीबीआई मुख्यालय बुलाया है। मैं जाऊँगा और पूरा सहयोग करूँगा। सत्यमेव जयते।'' सीबीआई ने मामले में इंडो स्पिरिट्स के मालिक समीर महेंद्रू, गुरुग्राम स्थित बडी रिटेल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अमित अरोड़ा और इंडिया अहेड न्यूज के प्रबंधक निदेशक मूथा गौतम समेत कई लोगों से पूछताछ की है।

कर्नाटक की भाजपा सरकार एससी-एसटी विरोधी है: राहुल गांधी

बेंगलुरु (एजेंसी)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने यहां 'भारत जोड़ो यात्रा' को संबोधित करते हुए कहा कि कर्नाटक में भाजपा नीत सरकार 'एससी और एसटी विरोधी' है। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि यह सरकार अनुसूचित जाति (एससी) और जनजाति (एसटी) विरोधी है और इसे '40 प्रतिशत कमीशन' वाली सरकार कहा जाता है। गांधी ने यहां 'भारत जोड़ो यात्रा' को संबोधित करते हुए कहा कि कर्नाटक में भाजपा नीत सरकार 'एससी और एसटी विरोधी' है और इन उत्पीड़ित लोगों के खिलाफ अत्याचार में 50 फीसदी की वृद्धि हुई है। गांधी के नेतृत्व में पैदल मार्च के एक हजार किलोमीटर की दूरी तय होने पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और लोग यहां नगरपालिका मैदान में इकट्ठा हुए। गांधी ने आरोप लगाया कि राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को '40 प्रतिशत कमीशन' वाली सरकार कहा जाता है, क्योंकि इसका भुगतान करके कोई भी काम किया जा सकता है। सत्तारूढ़ भाजपा और मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने रिश्वत के ऐसे आरोपों को 'निराधार' और 'बेतुका' बताते हुए खारिज कर दिया है। भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर भाजपा नीत

सरकार के खिलाफ कर्नाटक में कांग्रेस के निरंतर अभियान की पृष्ठभूमि में राहुल गांधी ने रिश्वतखोरी के आरोप लगाए हैं। तत्कालीन ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री के ईश्वरप्पा पर 40 फीसदी रिश्वत मांगने का आरोप लगाते हुए एक ठेकेदार संतोष पाटिल की आत्महत्या के बाद कांग्रेस ने राज्य में भ्रष्टाचार को चुनावी मुद्दा बनाया है। ठेकेदार की मृत्यु के बाद, ईश्वरप्पा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद कांग्रेस ने 'पेसीएम' अभियानभी शुरू किया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी ने आरोप लगाया कि एससी और एसटी समुदायों के कल्याण के लिए आवंटित धन को स्थानांतरित किया गया है। गांधी ने दावा किया, 'आपके 8,000 करोड़ रुपये धन को दूसरे मद में लगाया गया है।' उन्होंने आरोप लगाया, 'अगर आपको पुलिस उप निरीक्षक बनना है, तो आप 80 लाख रुपये देकर इसे प्राप्त कर सकते हैं। अगर आपके पास पैसा है तो आप यहां सरकारी नौकरी खरीद सकते हैं, लेकिन अगर आपके पास पैसा नहीं है तो आपको जीवन में कभी भी नौकरी नहीं मिल सकती है।' कांग्रेस नेता हाल में सामने आए पुलिस उप निरीक्षक भर्ती घोटाले का जिक्र कर रहे थे जिसमें कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें कुछ उम्मीदवारों के अलावा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अमृत पॉल, कुछ उपाधीक्षक, निरीक्षक, उप निरीक्षक, कांस्टेबल, भाजपा नेता दिव्या हागार्गी और एक कांग्रेस विधायक के गनमैन शामिल हैं। घोटाला सामने आने के बाद परीक्षा रद्द कर दी गई। गिरफ्तार किए गए उम्मीदवारों ने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि उन्होंने नौकरी पाने के लिए 70 लाख रुपये से 80 लाख रुपये का भुगतान किया। गांधी ने कहा, 'यही कारण है कि कर्नाटक सरकार को 40 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार कहा जाता है। अगर आपको कोई काम करवाना है, तो 40 फीसदी कमीशन देकर करवा सकते हैं।' गांधी ने सहकारी बैंकों में और सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति में भी घोटाले का आरोप लगाया। वायनाड के सांसद ने सवाल किया कि भाजपा सरकार अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 17 प्रतिशत और अनुसूचित जनजातियों के लिए तीन प्रतिशत से सात प्रतिशत करने की न्यायमूर्ति नागमोहन दास आयोग की सिफारिश को लागू क्यों नहीं कर रही है।

पवन कल्याण के समर्थकों ने हवाई अड्डे पर मंत्रियों की कार पर किया पथराव, 100 गिरफ्तार

हैदराबाद। जनसेना पार्टी के प्रमुख और सुपरस्टार पवन कल्याण के 100 से अधिक समर्थकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इनमें से 15 लोगों के खिलाफ धारा 307 के तहत मामला दर्ज किया है। वहीं, पवन कल्याण ने आरोप लगाया है कि शनिवार आधी रात को पुलिस होटल आई और उनके कमरे का दरवाजा पीटा।

दरअसल, जेएसपी के समर्थक शनिवार को पार्टी प्रमुख की अगवानी करने के बाद विशाखापत्तनम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इकट्ठा हुए थे। आरोप है कि इन लोगों ने तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष सुब्बा रेड्डी और मंत्रियों रोजा व जोगी रमेश की कारों पर पथराव किया। साथ ही इन लोगों ने एयरपोर्ट पर नारेबाजी भी की। रिपोर्ट के मुताबिक, युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के शीर्ष नेता और मंत्री 'विशाखा गर्जना' कार्यक्रम को समाप्त करने के बाद हवाई अड्डे जा रहे थे। दोपहर तक भारी बारिश के चलते कार्यक्रम से निकलने में उन्हें काफी देरी हो गई। यह कार्यक्रम तीन राजधानी के मांग के समर्थन में आयोजित किया गया था। जेएसपी समर्थकों ने इन्हें देखते ही हंगामा शुरू कर दिया।

हिमाचल चुनाव- 18 अक्टूबर को भाजपा केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक

-जारी हो सकती है प्रत्याशियों की सूची

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक 18 अक्टूबर को हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक हिमाचल प्रदेश के विधानसभा के चुनाव के लिए बीजेपी अपनी पहली लिस्ट अगले कुछ दिनों में कभी भी जारी कर सकती है। बीजेपी ने पहले से ही हिमाचल प्रदेश में अपनी सरकार फिर के बनाने के लिए चुनावी तैयारियों को करीब-करीब अंतिम रूप दे दिया है। अमित शाह ने शनिवार को हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी के एक कैंपेन सॉन्ग को भी लॉन्च किया है। अमित शाह की शनिवार को हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में हुई रैली के बाद राज्य बीजेपी की कोर कमेटी की एक बैठक रखी गई थी। बाद इस बैठक को टाल दिया गया। अब बीजेपी की केन्द्रीय चुनाव समिति की मीटिंग 18 अक्टूबर को रखी गई है। जिसमें राज्य के वरिष्ठ नेताओं के परामर्श से विधानसभा के चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दिया जा सकता है। अमित शाह ने अपनी रैली में कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा था कि उसका काम केवल लोगों के बीच झगड़ा पैदा करना और आग लगाना है।

एक तरफ जहां भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में अपना चुनाव अभियान जोर-शोर से शुरू कर दिया है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस अभी भी लगभग 20 सीटों पर उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने के लिए जूझ रही है। जहां उम्मीदवारों के नाम को लेकर कांग्रेस पार्टी में आम सहमति नहीं बन पा रही है।

अनिवासी गुजरातियों से बोले अमित शाह- गांवों में भाजपा, प्रधानमंत्री के दूत बनें

अहमदाबाद (एजेंसी)।

अनिवासी गुजरातियों (एनआरजी) ने गुजरात में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की निरंतर जीत में अहम भूमिका निभाई है। यह उद्गार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व्यक्त किए और कहा कि राज्य के गांवों में पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश फैलाने के लिए संदेशवाहक बनने का रोल अदा करें। तीन दिवसीय 'प्रवासी गुजराती पर्व 2022' की शुरुआत पर एनआरजी की एक सभा को डिजिटल तरीके से संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि जहां भी गुजराती बसे हैं, उन्होंने उन राष्ट्रों को गौरवान्वित किया है और न केवल देश बल्कि पूरी दुनिया के विकास में योगदान दिया है। शाह ने अपने वीडियो संदेश में कहा, '1990 से, जब भी चुनाव हुए, गुजरात के लोगों ने भाजपा को जीत दिलाई। इस जीत में एनआरजी ने बड़ी भूमिका निभाई है। मुझे पता है कि आपके संदेश का आपके गांव में बहुत महत्व है।' शाह ने कहा, 'भाजपा सरकार ने

गुजरात को विकसित करने के लिए काम किया है, और नरेंद्रभाई ने गुजरात को वैश्विक पहचान दी है। आइए हम सभी इस यात्रा को जारी रखें। 2022 के चुनाव में, मैं आपसे भाजपा और नरेंद्रभाई के संदेश और देश के विकास के संदेश को भाजपा के दूत बनकर गांवों में फैलाने की अपील करता हूं।'

शाह ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी ने विकास को एक नई दिशा दी और यह विश्वास जगाने के लिए काम किया कि वंशवाद, जातिवाद और तुष्टीकरण की बुराइयों के बिना चुनावी राजनीति संभव है। उन्होंने कहा कि मोदी ने दिखाया कि कैसे संकट को अवसर में बदलना है, कैसे कानून-व्यवस्था में सुधार करना है और आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' के साथ राज्य को कर्फ्यू मुक्त बनाना है तथा बिना किसी हिचकिचाहट के दुनिया के सामने अपनी सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करना है। शाह ने कहा, 'जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने, तो देश के एक बड़े हिस्से ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास खो दिया था। कई क्षेत्र अविकसित रह गए थे, और कई लोगों ने महसूस किया कि लोकतांत्रिक व्यवस्था उनके लिए नहीं थी। मोदी ने हमारे संविधान के निर्माताओं के कल्याणकारी राज्य के सपने को साकार किया।' शाह ने कहा कि मोदी ने समझा कि राज्य को सभी के कल्याण के लिए, विशेष रूप से सबसे गरीब लोगों के होना चाहिए, उन्होंने इसके लिए काम किया। उन्होंने प्रधानमंत्री की उपलब्धियों में सभी के लिए टीकाकरण सुनिश्चित करना और कोविड-19 महामारी के दौरान गरीबों को मुफ्त अनाज के प्रावधान का उल्लेख किया।

ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट को भारत सरकार ने नकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट में भारत को 107 नंबर पर रखने पर सरकार असहमत और केंद्र ने शनिवार को कहा कि गलत सूचना पर सालाना जारी करना ग्लोबल हंगर इंडेक्स की पहचान है। कंसर्न वर्ल्डवाइड और वेल्ट हंगर हिल्फ, क्रमश- आयरलैंड और जर्मनी के गैर-सरकारी संगठनों द्वारा जारी ग्लोबल हंगर रिपोर्ट 2022 ने भारत को 121 देशों में 107 वें स्थान पर रखा है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने एक बयान में कहा- सूचकांक भूख का एक गलत माप है और गंभीर कार्यप्रणाली मुद्दों से ग्रस्त है। सूचकांक की गणना के लिए उपयोग किए जाने वाले चार संकेतकों में से तीन बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित हैं और पूरी आबादी का प्रतिनिधि नहीं कर सकते हैं। चौथा और सबसे महत्वपूर्ण संकेतक अनुमान कि कुपोषित (पीओयू) आबादी का अनुपात 3,000 के बहुत छोटे नमूने के आकार पर किए गए एक जनमत सर्वेक्षण पर आधारित है।

मंत्रालय ने कहा कि रिपोर्ट न केवल जमीनी हकीकत से अलग है, बल्कि विशेष रूप से कोविड महामारी के दौरान आबादी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयासों को जानबूझकर नजरअंदाज करने का विकल्प चुनती है।

एक आयामी दृष्टिकोण लेते हुए, रिपोर्ट भारत के लिए 16।3 प्रतिशत पर कुपोषित (पीओयू) जनसंख्या के अनुपात के अनुमान के आधार पर भारत की रैंक को कम करती है। एफएओ का अनुमान गैलप वर्ल्ड पोल के माध्यम से आयोजित %खाद्य असुरक्षा अनुभव स्केल (एफआईईएस)% सर्वेक्षण मॉड्यूल पर आधारित है, जो %3000 उत्तरदाताओं% के नमूने के आकार के साथ %8 प्रश्नों% पर आधारित %ओपिनियन पोल% है।

एफआईईएस के माध्यम से भारत के आकार के देश के लिए एक छोटे से नमूने से एकत्र किए गए डेटा का उपयोग भारत के लिए पीओयू मूल्य की गणना करने के लिए किया गया है जो न केवल गलत और अनैतिक है, बल्कि यह स्पष्ट पूर्वाग्रह का भी संकेत देता है। बयान में कहा गया है कि ग्लोबल हंगर रिपोर्ट, कंसर्न वर्ल्डवाइड और वेल्ट हंगर हिल्फ की प्रकाशन एजेंसियों ने स्पष्ट रूप से रिपोर्ट जारी करने से पहले उचित परिश्रम नहीं किया है।

मंत्रालय ने कहा कि जुलाई 2022 में एफआईईएस सर्वेक्षण मॉड्यूल डेटा के आधार पर इस तरह के अनुमानों का उपयोग नहीं करने के लिए एफएओ के साथ मामला उठाया गया था क्योंकि इसका सांख्यिकीय आउटपुट योग्यता पर आधारित नहीं होगा। हालांकि इस बात का आश्वासन दिया जा रहा था कि इस मुद्दे पर और बातचीत होगी, इस तरह के तथ्यात्मक विचारों के बावजूद ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट का प्रकाशन खेदजनक है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

जल जीवन मिशन ने बच्चों की जान बचाने के लिए अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की

गुजरात में भी शिशु मृत्यु दर को कम करने में जल जीवन मिशन का महत्वपूर्ण योगदान

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर, 16 अक्टूबर 2022: बच्चों की जान बचाने में स्वच्छ भारत अभियान की सफलता के बाद केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति भी मिली है. नोबेल पुरस्कार विजेता अमेरिकी प्रोफेसर माइकल क्रेमर का दावा है कि स्वच्छ भारत अभियान से भारत में हर साल तीन लाख से अधिक बच्चों की जान बचाई जा रही है, वहीं जल जीवन मिशन भी बाल मृत्यु दर को कम करने में अहम भूमिका निभा रहा है। इससे पहले संयुक्तराष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने जल जीवन मिशन की महत्वपूर्ण प्रगति की प्रशंसा की और कहा कि इस योजना को दुनिया के अन्य पिछड़े देशों में लागू किया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2019 में देश भर के ग्रामीण इलाकों में नल से जल अभियान की शुरूआत की थी. अब तक देश के 4 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों को 100 प्रतिशत नल से जल घोषित किया जा चुका है और कुछ ही समय में गुजरात का नाम भी इसमें शामिल होने जा रहा है. गुजरात में नल से जल का 99.79 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। केंद्रीय जल मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की देखरेख में योजनाओं के तेजी से कार्यान्वयन के साथ, राष्ट्रीय स्तर पर, भारत के लगभग 54 प्रतिशत घरों को स्वच्छ पेयजल योजनाओं से जोड़ा गया है। जब 2019 में मिशन शुरू किया गया था, तो देश की लगभग आधी ग्रामीण आबादी स्वच्छ पेयजल की पहुंच से वंचित थी।

जेजेएम ने गुजरात में बाल मृत्यु दर को कम करने में भी अहम भूमिका निभाई

जल जीवन मिशन का लक्ष्य भारत के हर गांव में हर घर में चौबीसों घंटे स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना है। देश में हर घर में स्वच्छ पानी की पहुंच के साथ, जलजनित रोगों के कारण बाल मृत्यु दर में भारी कमी आई है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो 2019 में गुजरात में जेजेएम शुरू होने से पहले अंडर-5 मृत्यु दर 28 प्रति 1000 जीवित जन्म थी। जो 2022 में घटकर 23 प्रति 1000 जीवित जन्म हो गया है। गुजरात स्वास्थ्य विभाग ने भी माना है कि जल जीवन मिशन ने बाल मृत्यु दर में कमी लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। गुजरात स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि अगले 1-2 वर्षों में जलजनित रोगों से पीड़ित बच्चों की संख्या में और कमी आएगी क्योंकि जैसे-जैसे घर में स्वच्छ पानी पीना बढ़ेगा, इसका सीधा असर देश में रहने वाले सभी लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ेगा। घर, खासकर मां और बच्चे। इस प्रकार यह मिशन भविष्य में राज्य स्तरीय बाल मृत्यु दर को कम करने में भी अधिक सहायक होगा।

• नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. Cramer का दावा है कि जल जीवन मिशन (JJM) ने भारत में शिशु मृत्यु दर में बड़ी कमी की है।

• गुजरात में पांच साल से कम उम्र के बच्चों में शिशु मृत्यु दर 2019 में प्रति 1000 जीवित जन्मों पर 28 थी जो 2022 में घटकर 23 हो गई है।

कितने खास हैं प्रो. क्रेमर की शोध रिपोर्ट?

भारतीय अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान उन्हें संबोधित करते हुए प्रो. क्रेमर ने कहा कि उनके अध्ययन से एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह निकला कि यदि परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए तो शिशु मृत्यु दर में लगभग 30 प्रतिशत की कमी आ सकती है। ऐसे में 'हर घर जल' कार्यक्रम स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, खासकर बच्चों में। शिकागो विश्वविद्यालय द्वारा प्रोफेसर माइकल क्रेमर का एक पेपर प्रकाशित किया गया है। क्रेमर रिपोर्ट का दावा है कि अगर सरकार अपने जेजेएम लक्ष्य को हासिल कर लेती है, तो भारत में पांच साल से कम उम्र के लगभग 1.36 लाख बच्चों को हर साल बचाया जा सकता है।

गुजरात के लगभग हर गांव में 99.79 फीसदी गांवों में नल का पानी पहुंच गया है

नल से जल कार्यक्रम के तहत, केंद्र सरकार ने 2024 तक भारत के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में घरों में पर्याप्त और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा था।

केंद्र सरकार के इस लक्ष्य से दो साल पहले गुजरात को शत-प्रतिशत नल जल आपूर्ति वाला राज्य घोषित किया जाएगा।

अब तक गुजरात के 99.79 प्रतिशत ग्रामीण घरों में नल के पानी की आपूर्ति की जा चुकी है। राज्य सरकार इसी महीने गुजरात में शत-प्रतिशत नील से पानी घोषित करने की कोशिश कर रही है।

भाजपा छोड़ आप में शामिल हुए बिपिन चौधरी की लोटरी लगी, व्यारा से मिला टिकट

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए आप ने आज अपने उम्मीदवारों की पांचवीं सूची जारी कर दी है। पांचवीं सूची में 12 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की गई है। जिसमें एक नाम है बिपिन चौधरी का। आप ने बिपिन चौधरी का व्यारा से उम्मीदवार बनाया है। बिपिन चौधरी हाल में भाजपा छोड़ आप में शामिल हुए हैं और आप से जुड़ते ही उनकी लोटरी लग गई। बिपिन चौधरी भाजपा संगठन प्रमुख भी रह चुके हैं। बता दें कि गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा और कांग्रेस ने एक भी उम्मीदवार का ऐलान नहीं किया है। जबकि आप अब तक 53 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर चुकी है।

दिवाली से पहले किसानों को पीएम मोदी की भेंट: प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 12 वीं किस्त होगी जारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 एवं 18 अक्टूबर को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले दो दिवसीय पीएम किसान सम्मान सम्मेलन में देश के लाभार्थी किसानों के लिए पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 12 किस्त की रकम जारी करेंगे। इस 12वीं किस्त के तहत देश के किसानों के बैंक खाते में 16 हजार करोड़ रुपए की रकम जमा होगी, जिसमें गुजरात के 51 लाख से अधिक किसानों को 1023 करोड़ रुपए की रकम प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार किसानों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है और किसानों की आय दोगुनी करने के प्रधानमंत्री के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे में, पीएम किसान सम्मान निधि योजना की

आम आदमी पार्टी ने उम्मीदवारों की 5 वीं सूची जारी की, 12 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात विधानसभा के चुनाव की राजनीतिक दल जोरशोर से तैयारियों में जुटे हैं। उम्मीदवारों की घोषणा के बारे में आम आदमी पार्टी (आप) सबसे आगे चल रही है। भाजपा और कांग्रेस समेत अन्य किसी भी राजनीतिक दल ने अब तक एक भी उम्मीदवारों के नाम का ऐलान नहीं किया। जबकि आप अब तक 53 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर चुकी है। आप ने आज अपने उम्मीदवारों की पांचवीं सूची जारी की है। जिसमें 12 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। आप की आज जारी उम्मीदवारों की सूची में राजेश पंडोरिया को भुज से जयंती प्रणामी को ईडर से उम्मीदवार बनाया गया है। इसी प्रकार निकोल से अशोक गजेरा, साबरमती से जशवंत ठाकोर, टंकारा से संजय भटास, कोडीनार से वालजी मकवाणा, महुधा से रावजी वाघेला, बालासिनोर से उदेसिंह चौहाण, मोरवा हडफ से बना डामोर, झालोद से अनिल गरासिया, डेडियापाडा से चैतर वसावा और व्यारा से बिपिन चौधरी को

उम्मीदवार घोषित किया है। इन 12 उम्मीदवारों के साथ आप गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए अब तक कुल 53 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर चुकी है। इससे पहले आप हिम्मतनगर, गांधीनगर दक्षिण, साणंद, वटवा, अमराईवाडी, केशोद, शहेरा, कालोल, गरबा, लिंबायत, गणदेवी, ठासरा, मांडवी (कच्छ), दाणीलीमडा, खेडब्रह्मा, डॉ. रमेश पटेल, लालेश पटेल, कल्पेश पटेल, सावली, नांदोद, पोरबंदर, निझर, देवगढ़ बारिया, राजकोट ग्रामीण, चौर्यासी, बेचराजी, असारवा, छोटाउदेपुर, चोटीला, कामरेज, जामनगर उत्तर, राजकोट दक्षिण, वांकानेर, गारियाधार, गोंडल, बारडोली, धोराजी, नरोडा, मांगरोल, सोमनाथ और दियोदर विधानसभा सीटों से अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है।

आईबी की रिपोर्ट में गुजरात में आप की सरकार बन रही है – अरविंद केजरीवाल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नई दिल्ली आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुजरात के भावनगर में कहा कि आपके लिए खुशखबरी लाया हूं,

आईबी की रिपोर्ट आई है, रिपोर्ट यह है कि गुजरात मे आप की सरकार बन रही है। लेकिन यह जीत किनारे पर है, अभी 92-93 सीटें आ रही हैं, 150 सीटें आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि, ''आठ दिसंबर को वोटों की गिनती होगी, 15 दिसंबर को आप की सरकार बन जाएगी।

31 दिसंबर तक सभी तरह के आंदोलन, और कर्मचारियों पर जो उन्होंने (बीजेपी) केस किए हैं वह सब केस वापस ले लिए जाएंगे। सरकार बनते ही यह सबसे पहला काम होगा। दूसरा काम यह करेंगे कि गुजरात में भ्रष्टाचार खत्म करेंगे। गुजरात में इतना भ्रष्टाचार है कि बजट घाटे में चल रहा है।

2.5 लाख करोड़ रुपये का हर साल का गुजरात का बजट है। अरबों खरबों रुपये इनके आपके पास हैं, लेकिन यह बताओ क्या आपके इलाके में सड़क बनी, स्कूल बना या अस्पताल बना? कॉलेज बना? कहां गया सारा पैसा? यह लोग खा गए। हमारी सरकार बनेगी तो सारा पैसा इनके गले में हाथ डालकर निकाल लाएंगे।''

केजरीवाल ने कहा कि, ''पहली बार गुजरात को भ्रष्टाचार मुक्त शासन मिलेगा। कोई व्यक्ति भ्रष्टाचार करेगा तो सीधा जेल जाएगा।

भगवंत मान साहब ने हाल में एक मंत्री को पकड़वा दिया और जेल में डाल दिया। 15 दिसंबर के बाद आपके काम बिना रिश्वत के होंगे। हमने दिल्ली में करके दिखाया है।''

उन्होंने कहा कि, ''दिल्ली में बिजली का बिल जीरो आता है। पंजाब में भी जीरो आता है। अब गुजरात में भी एक मार्च से बिजली का बिल जीरो आएगा।

बकाया बिजली बिल भी माफ किया जाएगा। ये लोग मुझे गाली देते हैं कि केजरीवाल फ्री दे रहा है। गरीब लोगों को महंगाई के दौर में कुछ राहत दे दी तो कौन सा गुनाह कर दिया?

मुख्यमंत्री को, मंत्री को मुफ्त बिजली मिलती है तो ऐसे में जनता को मुफ्त दे दी तो क्यों मिर्ची लग रही है?'